मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 322
शुक्रवार, 12 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, Homemakers को राष्ट्र निर्माता मानकर 30,000 रु. मासिक मुआवजा

नई दिल्ली, 11 जून। सुप्रीम कोर्ट ने घर संभालने वाली महिलाओं को 'राष्ट्र निमार्ता' माना और बिना पैसे वाले घरेलू काम की आर्थिक अहमियत को स्वीकार किया। एक अहम फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि घरेलू देखभाल सेवाओं के नुकसान को 'मुआवजे का एक अलग आधार' माना जाना चाहिए और मोटर दुर्घटना के दावों में ऐसे नुकसान का आकलन करने के लिए 30,000 रुपये की अनुमानित मासिक आय तय की। जस्टिस संजय करोल और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि घर संभालने वालों का योगदान सिर्फ.घर के कामों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि परिवार, समाज और अंततः देश को बनाने में भी उनकी अहम भूमिका होती है।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि बिना वेतन वाले घरेलू काम को सिर्फ. इसलिए आर्थिक रूप से महत्वहीन नहीं माना जा सकता क्योंकि इससे कोई औपचारिक वेतन नहीं मिलता। कोर्ट ने कहा कि गृहिणियां घर में योगदान देती हैं। वे राष्ट्र-निमार्ता हैं। वे राष्ट्र का निर्माण करती हैं। जस्टिस करोल ने कहा कि हमारा भी यह मानना है कि गृहिणी व्यक्ति और राष्ट्र के विकास में योगदान देती है। घर संभालने वाली महिला राष्ट्र का निर्माण करती है। इसलिए हमने कुछ सिद्धांत तय किए हैं; एक राष्ट्र-निमार्ता के तौर पर गृहिणी की भूमिका को देखते हुए, हमने घरेलू देखभाल के नुकसान की न्यूनतम मासिक आय 30,000 रुपये प्रति माह तय की है। यह

फैसला सुप्रीम कोर्ट के पहले के उन फैसलों पर आधारित है झ्र जैसे 'कीर्ति बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' (2021) और 'अरुण कुमार अग्रवाल बनाम नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' (2010)- जिनमें घर संभालने वालों (होममेकर्स) के काम को बिना पैसे वाला काम माने जाने के बावजूद उसकी आर्थिक अहमियत को माना गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'घर की देखभाल न मिल पाने' को मुआवजे के एक अतिरिक्त और स्वतंत्र आधार के तौर पर माना जाना चाहिए। बेंच ने ऐसे नुकसान का आकलन करने के लिए 30,000 रुपये प्रति महीने की न्यूनतम काल्पनिक आय तय की। यह तरीका घर संभालने वालों की कड़ी मेहनत की तुलना कुशल और अकुशल मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी से करने की परंपरा से निकला है।

यह फैसला पंजाब में मोटर दुर्घटना के दावे से जुड़ी एक अपील के बाद आया, जिसमें एक मृतक होममेकर का परिवार दो दशकों से ज्यादा समय से मुआवजे की कोशिश कर रहा था।

ऐसे मामलों में देरी पर चिंता जताते हुए कोर्ट ने कहा कि मोटर दुर्घटना के दावों के मामलों का फैसला आम तौर पर एक साल के भीतर हो जाना चाहिए और उम्मीद जताई कि सभी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस इनके समय पर निपटारे पर नजर रखेंगे।

वसूली के आरोपी टीएमसी नेता पर फेंके गए अंडे, दुगार्पुर में जमकर हुआ हंगामा

दुगार्पुरा, 11 जून। पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में राजनीतिक तनाव बढ़ गया। भ्रष्टाचार और जबरन वसूली समेत कई आरोपों में गिरफ़्तार तृणमूल नेता सुकुमार दत्ता को जब अदालत ले जाया जा रहा था, तो उन पर कथित तौर पर अंडे फेंके गए। दुगार्पुर के न्यू टाउनशिप पुलिस स्टेशन ने दत्ता को गिरफ़्तार किया था। उन्हें दुगार्पुर सब-डिविजनल कोर्ट ले जाया जा रहा था, तभी प्रदर्शनकारी पुलिस स्टेशन के बाहर जमा हो गए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। खबरों के मुताबिक, बीजेपी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने आवाजाही के दौरान विरोध-प्रदर्शन किया और विरोध के बीच दत्ता पर अंडे फेंके गए। इस घटना से इलाके में कुछ देर के लिए तनाव पैदा हो गया, जिसके बाद पुलिस को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी और व्यवस्था बनाए रखनी पड़ी।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी नेता स्वाधीन राय ने दावा किया कि अंडे फेंकने का काम बीजेपी ने नहीं किया था, बल्कि यह तृणमूल नेता के प्रति जनता के गुस्से का इजहार था।

राय ने आरोप लगाया कि दत्ता पर लंबे समय से जमीन हड़पने, उगाही करने और स्थानीय निवासियों को डराने-धमकाने के आरोप लगते रहे हैं। हालाँकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। बीजेपी नेता ने आगे कहा कि स्थानीय लोगों ने सालों तक उत्पीड़न और शोषण सहा है, जिससे दत्ता के खिलाफ लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने गिरफ़्तार तृणमूल नेता के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की मांग की और उन दूसरे स्थानीय नेताओं की भूमिका की जांच की भी मांग की, जिन पर उन्होंने इन कथित गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया था। इस गिरफ़्तारी और उसके बाद हुए विरोध-प्रदर्शन ने इलाके में तृणमूल और बीजेपी के बीच राजनीतिक टकराव को और बढ़ा दिया है, और विपक्ष दत्ता से जुड़े आरोपों की व्यापक जांच की मांग कर रहा है।

नदी में बोलेरो वाहन गिरने से 4 की मौत, 4 अन्य घायल

चमोली, 11 जून। उत्तराखंड के चमोली जिले में बृहस्पतिवार को एक चौपहिया वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हादसा देवाल विकासखंड के अंतर्गत देवाल-घेस मोटर मार्ग पर शाम चार से पांच बजे के बीच हुआ।

चमोली के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि आठ यात्रियों को ले जा रहा एक महिंद्रा बोलेरो वाहन जब घेस गांव लौट रहा था, तभी चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद वाहन पहाड़ी से नीचे लुढ़कते हुए एक स्थानीय नदी में जा गिरा।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। जोशी ने बताया कि सभी चार घायल व्यक्तियों को घटना स्थल से निकाल लिया गया है और उन्हें इलाज के लिए देवाल के सरकारी अस्पताल ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान अभी तक स्थापित नहीं हो पाई है।

पीएम मोदी को बधाई और भारतीय जहाजों पर हमलेः अमेरिका ने बेशर्मी से कबूला

अमेरिका, 11 जून। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई संदेश व दूसरी भारतीय जहाजों पर हमलों ने एक बार फिर अमेरिका की दोगली नीतियों की पोल खोल दी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध जैसे हालात के बीच अमेरिका ने भारतीय चालक दल वाले एक और वाणिज्यिक जहाज पर कार्रवाई करने की बात स्वीकार कर ली है। अमेरिकी सैन्य कमान CENTCOM ने कहा है कि उसने गिनी-बिसाऊ ध्वज वाले तेल टैंकर MT Jalveer के इंजन रूम पर दो हेलफायर मिसाइलें दागीं, जिससे जहाज निष्क्रिय हो गया। यह घटना ओमान के शिनास और सोहर तट के निकट हुई, जहां कुछ घंटे पहले जहाज में आग लगने और धुआं उठने की सूचना सामने आई थी। जहां वॉशिंगटन भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी और दोस्ती की बात कर रहा है, वहीं ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले जहाजों पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई ने नई दिल्ली और भारतीय जनमानस में गहरी नाराजगी पैदा कर दी है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस देश का राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफों के पुल बांध रहा है, उसी देश की सेना भारतीय नागरिकों की जान जोखिम में डालने वाली कार्रवाई क्यों कर रही है? खाड़ी में अमेरिकी हमलों की श्रृंखला के बीच MT सेटेबेलो पर तीन भारतीय नाविकों की मौत और MT जलवीर पर हेलफायर मिसाइलें दागे जाने की स्वीकारोक्ति ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका की ओर से दोस्ती के संदेश और समुद्र में आक्रामक सैन्य कार्रवाई के इस विरोधाभास ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बहस छेड़ दी है।

CENTCOM के अनुसार, MT जलवीर ईरान से तेल लेकर ओमान की खाड़ी से गुजरने की कोशिश कर

रहा था और अमेरिकी बलों के निदेर्शों का बार-बार पालन नहीं कर रहा था। इसके बाद अमेरिकी विमान ने जहाज के इंजन रूम को निशाना बनाते हुए दो हेलफायर मिसाइलें दागीं। अमेरिकी सैन्य कमान का दावा है कि यह इस सप्ताह ऐसा तीसरा जहाज है जिस पर उसने कार्रवाई की है।

MT जलवीर पर कार्रवाई से पहले अमेरिकी सेना ने कथित तौर पर MT Marivex और MT Settebello नामक जहाजों पर भी कार्रवाई की थी। CENTCOM का आरोप है कि ये जहाज अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन कर रहे थे। सबसे गंभीर घटना MT Settebello से जुड़ी रही, जहां भारतीय चालक दल के 24 सदस्यों में से तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई थी, जबकि अन्य को बचा लिया गया था। घटना के बाद राहत की खबर यह रही कि जहाज पर सवार सभी 20 भारतीय नाविक सुरक्षित बताए गए हैं। ओमान स्थित भारतीय दूतावास और Royal Navy of Oman ने संयुक्त रूप से चालक दल को सुरक्षित निकालने का अभियान चलाया। भारतीय दूतावास ने कहा कि निकासी अभियान का समन्वय स्थानीय अधिकारियों के साथ किया गया और चालक दल को सुरक्षित शिनास बंदरगाह पहुंचाया जा रहा है। सेटेबेलो घटना के बाद भारत ने अमेरिकी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया था। नई दिल्ली ने कहा था कि पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक समुद्री ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए तथा अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मुश्किल समय में ममता का साथ नहीं छोड़ेंगे, शत्रुघ्न सिन्हा का बगावत करने से इनकार

कोलकता, 11 जून। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा स्थापित तृणमूल कांग्रेस (TMC) में अंदरूनी उथल-पुथल का एक अभूतपूर्व दौर चल रहा है। पिछले कुछ दिनों में वरिष्ठ नेताओं के इस्तीफे, विधायकों और सांसदों के बीच बागी गुटों का उभरना, कांग्रेस में विलय की अटकलें और संगठन के सामने नई चुनौतियां इन सभी ने मिलकर पार्टी की अंदरूनी एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक्टर से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि वह मुश्किल समय में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जब वह मुश्किल दौर से गुजर रहे थे, तब ममता बनर्जी उनके

साथ खड़ी थीं। आसनसोल से TMC सांसद ने कहा कि हो सकता है कि कुछ लोगों ने मजबूरी, डर या लालच की वजह से बनर्जी का साथ छोड़ दिया हो, लेकिन उनका उसूल है कि वह न तो पार्टी का साथ छोड़ेंगे और न ही पार्टी की नेता का। सिन्हा ने कहा कि मैं मुश्किल समय में ममता बनर्जी का साथ नहीं छोड़ूंगा। जब पटना में चुनाव हारने के बाद मैं मुश्किल दौर से गुजर रहा था, तब वह मेरे साथ खड़ी थीं।

मोदी सरकार युवाओं के भविष्य से कर रही खिलवाड़ : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 11 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने NEET पेपर लीक विवाद को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं ने लाखों युवाओं का भरोसा तोड़ा है और भारत की परीक्षा प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। खड़गे की यह टिप्पणी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET) में कथित अनियमितताओं को लेकर फिर से शुरू हुई राजनीतिक बहस के बीच आई है। प्रश्न पत्र लीक होने और प्रक्रिया में गड़बड़ी के कई दावों के बाद से ही यह परीक्षा जांच के दायरे में है। इस मुद्दे ने छात्रों और विपक्षी दलों के बीच देशव्यापी चिंता पैदा कर दी है।

इस स्थिति को गवर्नेंस की गहरी

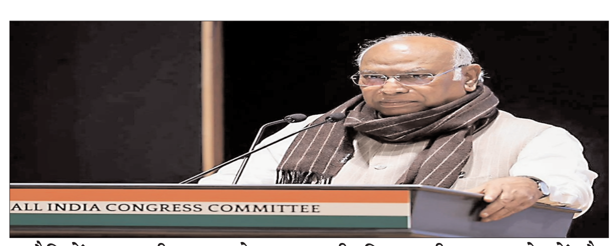

चुनौतियों का नतीजा बताते हुए खड़गे ने कहा कि देश की कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन सिस्टम की विश्वसनीयता खतरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार पेपर लीक होने के विवादों ने अहम परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों उम्मीदवारों के बीच कन्फ्यूजन, चिंता और अविश्वास पैदा किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस विवाद की वजह से विरोध-प्रदर्शन और जवाबदेही की राजनीतिक मांगें भी उठी हैं, जिसमें विपक्षी नेताओं ने परीक्षा की सुरक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं के मैनेजमेंट पर सवाल उठाए हैं।

NEET से जुड़े आरोपों को अधिकारियों - जिसमें नेशनल टेस्टिंग एजेंसी भी शामिल है - ने लगातार नकारा है या उनकी जांच की है। एजेंसी का कहना है कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के उपाय लागू हैं और कथित अनियमितताओं की जांच जारी है। ठएएळ से जुड़ा विवाद एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस-12 जून 2026

बचपन को श्रम नहीं, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार मिलें

-ललित गर्ग

हर वर्ष 12 जून को मनाया जाने वाला बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानवता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया का कोई भी बच्चा मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं होता। उसके हाथों में औजार, ईंट, बर्तन, हथौड़े, कूड़े की बोरी या कारखानों की मशीनें नहीं, बल्कि किताबें, खिलौने, रंग, सुनहले सपने और संभावनाएं होनी चाहिए। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार, शिक्षा और भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि यही काल श्रम, शोषण और अभाव की भट्टी में झोंक दिया जाए तो केवल एक बच्चे का नहीं, पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन- आईअलओ द्वारा 2002 में शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की भयावहता के प्रति वैश्विक चेतना जगाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस ऐसे समय पर आ रहा है जब दुनिया तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक प्रगति के नए आयाम छू रही है, लेकिन दूसरी ओर करोड़ों बच्चे आज भी शिक्षा और बचपन के अधिकार से वंचित हैं। यह विडम्बना मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब हम किसी ढाबे, होटल, चाय की दुकान, कारखाने, गैरेज, ईंट-भट्टे, खेत या ट्रैफिक सिग्नल पर किसी मासूम बच्चे को कठिन श्रम करते देखते हैं, तब अक्सर हमारी संवेदना कुछ क्षणों के लिए जागती है और फिर हम अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि कब तक हम इस पीड़ा को सामान्य मानते रहेंगे? क्या हम उस बचपन की चीख नहीं सुन पा रहे जो अपने अधिकारों से वंचित होकर मजदूरी के अंधेरे में खो रहा है? आज भी विश्व में करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में बाल श्रम में संलग्न हैं। इनमें से बड़ी संख्या खतरनाक परिस्थितियों में काम करती है, जहां उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, विस्थापन, तस्करी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बाल श्रम की प्रमुख वजहें हैं। परिवार की आर्थिक विवशताएं बच्चों को स्कूल की बजाय काम की दुनिया में धकेल देती हैं। लेकिन गरीबी का समाधान बच्चों से काम कराना नहीं, बल्कि परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए, वह यदि कारखाने में है, तो यह केवल उस बच्चे की नहीं, पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है, क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है।

भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईअलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाए जाने चाहिए। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, मीडिया, उद्योग जगत और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और महिला अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना विकसित हुई है, उसी प्रकार बाल अधिकारों के लिए भी विश्वव्यापी जनमत तैयार करना होगा। कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य मानते नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? मिसाल के तौर पर एक कानून बनाकर हमने बच्चों से उनका बचपन छिनने की कुचेष्टा की है। इस कानून में हमने यदि पारिवारिक कामधंधा या रोजगार है तो 4 से 14 की उम्र के बच्चों से कानूनन काम कराया जा सकता है और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह कैसी विडम्बना है कि जब इस उम्र के बच्चों को स्कूल में होना चाहिए, खानदानी व्यवसाय के नाम पर एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा, खेलकूद और सामान्य बाल्य सुलभ व्यवहार से वंचित किया जा रहा है और हम अपनी पीठ थपथपाए जा रहे हैं। बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं।

विशेष रूप से डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग बाल श्रम उन्मूलन के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शी निगरानी, बाल श्रम शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल, त्वरित कार्रवाई तंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कहीं भी बाल श्रम का उपयोग न हो। जो कंपनियां ऐसा करती पाई जाएं, उनके विरुद्ध कठोर आर्थिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बाल श्रम समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा है। केवल विद्यालय खोल देना पर्याप्त नहीं है; शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों को आकर्षित करे, जीवनोपयोगी कौशल दे और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करे। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का विस्तार आवश्यक है। यदि परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी तो बच्चों को मजदूरी के लिए भेजने की मजबूरी भी कम होगी। हमें यह भी समझना होगा कि बचपन केवल जीवित रहने का नाम नहीं है; बचपन का अर्थ है सपने देखने की स्वतंत्रता, खेलने के अधिकार, सीखने का अवसर, स्नेहपूर्ण वातावरण और सुरक्षित भविष्य। जिस समाज में बच्चे मुस्कुरा नहीं सकते, वह समाज कभी वास्तविक विकास नहीं कर सकता। आर्थिक विकास की ऊंची इमारतें तब तक अधूरी हैं जब तक उनके नीचे किसी बच्चे का कुचला हुआ बचपन पड़ा हो। महान शिक्षाविद् नेल्सन मंडेला ने कहा था, ह्लकिसी समाज की आत्मा को जानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करता है।ह्व यदि हम सचमुच विकसित और संवेदनशील समाज बनना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा। उन्हें दया का नहीं, अधिकार का विषय मानना होगा। आज आवश्यकता है कि सरकारें बाल श्रम के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें, तस्करी और बंधुआ श्रम के नेटवर्क को ध्वस्त करें, और हर बच्चे तक शिक्षा एवं सुरक्षा की पहुंच सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह किसी भी रूप में बाल श्रम को बढ़ावा नहीं देगा और जहां भी ऐसी घटना देखेगा, उसके विरुद्ध आवाज उठाएगा। बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस हमें यह संदेश देता है कि बचपन को बचाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। यदि हम प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और अवसर प्रदान कर सकें, तो वही बच्चा कल एक सशक्त नागरिक, संवेदनशील मानव और राष्ट्रनिमार्ता बनेगा। सच तो यह है कि बचपन को बचाना ही भविष्य को बचाना है। जब दुनिया का हर बच्चा भय और श्रम से मुक्त होकर मुस्कुराएगा, तभी मानव विकास की यात्रा वास्तव में सार्थक कहलाएगी।

पीओके में गूंज रही आजादी की गूंज

पाकिस्तानी जुल्म के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, सेना की फायरिंग से दहला इलाका, भारत के लिए अवसर

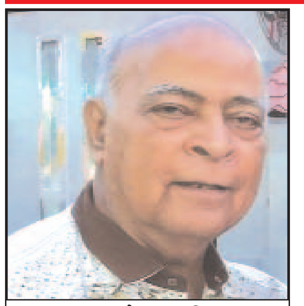

अशोक भाटिया

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पी ओ के) में बुनियादी अधिकारों, महंगाई और बिजली की भारी कीमतों को लेकर पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ विद्रोह छिड़ गया है। हजारों लोग सड़कों पर उतरकर 'आजादी' के नारे लगा रहे हैं, जिसे दबाने के लिए पाकिस्तानी सेना (जनरल आसिम मुनीर) द्वारा निहत्थे नागरिकों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई जा रही हैं।पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में इस वक्त तनाव चरम पर है। हजारों लोग आजादी की मांग लिए सड़कों पर उतरे हैं। इस बीच पाकिस्तानी सेना की बर्बरता की ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिन्हें देखकर आपका दिल भी पसीज जाएगा। पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की सेना पी .ओ .के के निहत्थे लोगों पर गोलियां बरसा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और सरकार विरोध दबाने के लिए हर तरह के नापाक हथकंडे अपना रही है। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह एक शख्स पर पाक सेना ने तब तक फायरिंग की, जब तक वह गोलियों से छलनी नहीं हो गया।

जानकारी के मुताबिक यह वीडियो रावलाकोट का है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग वैश्विक समुदाय से लगातार पाकिस्तान को उसकी इस घटिया करतूत के लिए जिम्मेदार ठहराने की मांग कर रहे हैं। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल एक निहत्थे स्थानीय नागरिक पर अंधाधुंध गोलियां बरसा रहे हैं, जबकि वह नागरिक अपनी जान बचाने के लिए छिपने की जगह ढूंढ रहा है। इंटरनेट पर ऐसी दूसरी कई तस्वीरें भी सामने आई हैं।

प्रदर्शनकारियों ने चावल, दाल और आटे की महंगाई और आजादी की मांग उठा रहे है ।प्रशासन पर वादों से मुकरने का आरोप भी लगाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उन्हें रोकने के लिए गोलियां चलाई गईं, पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। इस कार्रवाई में कम से कम सात लोगों के घायल होने की खबर है। कोटली में भी बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए गए।ददयाल में भी पाक सेना के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। पूरे इलाके में लोगों का गुस्सा दिखा, जिसका असर रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ा। मुजफ्फराबाद, रावलकोट, कोटली और भीमबर में बाजार, दुकानें और कारोबारी प्रतिष्ठान बंद रहे। शटडाउन के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारी लगातार सरकार और सेना के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।प्रदर्शनकारियों ने पालंद्री में आंसू गैस के गोलों के अवशेष भी दिखाए, जिन्हें सुरक्षा बलों द्वारा भीड़ को तितर-बितर करने के लिए दागा गया था। हजारों लोग पूरे दिन सड़कों पर डटे रहे और पाकिस्तानी प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराते रहे। वहीं सुधनोटी में लकड़ी की छड़ियां लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पाक सरकार और सेना को आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

मुजफ्फराबाद में नीलम ब्रिज के पास प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें भी हुईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में फायरिंग की आवाजें सुनाई दी हैं। इससे इलाके में तनाव बढ़ा है। प्रदर्शनकारी 38 मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। इनमें सबसे प्रमुख मांग सस्ती बिजली, आटा, चावल और दाल जैसी जरूरी वस्तुओं को कम कीमत पर उपलब्ध कराने की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पाकिस्तान ने पी.ओ.के में मंगला डैम समेत कई बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट स्थापित किए हैं। उनका तर्क है कि चूंकि ये परियोजनाएं स्थानीय संसाधनों पर आधारित हैं, इसलिए यहां के लोगों को बेहद कम दरों पर बिजली उपलब्ध कराई जानी चाहिए। आरोप है कि संसाधन उनके इलाके से लिए जा रहे हैं, लेकिन उसका लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिल रहा।

आर्थिक मांगों के अलावा आंदोलन का एक बड़ा राजनीतिक पहलू भी है। प्रदर्शनकारी पी .ओ . के लेजिस्लेटिव असेंबली में रिफ्यूजी के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। ये सीटें उन लोगों के लिए आरक्षित हैं, जिन्हें भारत के हिस्से वाले कश्मीर से पी ।ओ ।के में आने वाला शरणार्थी बताया जाता है। हालांकि, इनमें से बड़ी संख्या में लोग पाकिस्तान के अन्य शहरों में रहते हैं। आंदोलनकारियों का सवाल है कि जो लोग पी .ओ .के में रहते ही नहीं, वे यहां की विधानसभा सीटों पर वोट कैसे डाल सकते हैं। स्थानीय जनता का प्रतिनिधित्व कैसे कर सकते हैं। उनका आरोप है कि इन आरक्षित सीटों का इस्तेमाल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रकऔर सेना अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए करती है। हिजबुल के लोगों को इन सीटों पर चुनाव जिताने में भूमिका निभाती है। उनका कहना है कि पी.ओ.के विधानसभा की कुल 45 सीटों में से 12 सीटें ऐसी हैं, जिन पर क्रकऔर पाकिस्तानी सेना का प्रभाव रहता है। इसी प्रभाव के जरिए राजनीतिक समीकरण बदले जाते हैं और जरूरत पड़ने पर अपनी पसंद का प्रधानमंत्री भी बनवाया जाता है। इस संदर्भ में प्रदर्शनकारी अब्दुल्ला सईद शाह का उदाहरण भी दे रहे हैं, जिन्हें पीर मजहर सईद शाह के नाम से जाना जाता है।

उन पर जैश-ए-मोहम्मद के सिंध प्रांतीय प्रमुख होने के आरोप लगते रहे हैं। इसके बावजूद वह पी.ओ.के विधानसभा के सदस्य हैं और हाल तक सूचना एवं प्रसारण मंत्री का पद भी संभाल रहे थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ऐसे उदाहरण राजनीतिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब पी ।ओ ।के में इस तरह का उबाल देखने को मिला हो। पिछले साल भी विरोध प्रदर्शन हुए थे।

कुछ समय पूर्व के प्रदर्शनों के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने करीबी सहयोगी और राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह को बातचीत के लिए पी.ओ.के. भेजा था। उस समय प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों की 38 में से 21 मांगें मानने का भरोसा दिया था। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आठ महीने बीत जाने के बाद भी वे वादे पूरे नहीं किए गए। आंदोलनकारियों का दावा है कि पिछले वर्ष ब्रिगेडियर फैक अयूब की पी ।ओ ।के में क्रकसेक्टर कमांडर के रूप में नियुक्ति के बाद सेना की कार्रवाई सख्त हो गई है। उसकी कमान में आम लोगों पर दबाव बढ़ा है। पी.ओ.के. में तैनाती से पहले वह पंजाब सेक्टर के कमांडर रह चुके हैं। उनके विरोधियों का आरोप है कि लाहौर में की गई एक हिंसक कार्रवाई के कारण उसे 'लाहौर का कसाई' तक कहा जाता है।

इस समय पाक आर्मी गो बैक के नारे प्रदर्शनकारियों के बीच बस एक ही आवाज गूंज रही है– पाकिस्तान से आजादी। विधानसभा की आरक्षित सीटों को भंग करने की मांग से शुरू हुआ यह आंदोलन अब एक जन-विद्रोह में बदल चुका है। लोग पाकिस्तानी फौज को वापस जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं और पाक आर्मी गो बैक के नारों से रावलपिंडी से लेकर इस्लामाबाद तक के हुक्मरान सहम गए हैं।

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग ने सरकार द्वारा इंटरनेट बंद करने, बल प्रयोग करने और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर आतंकवाद का लेबल लगाने की कड़ी निंदा की है। आयोग ने कहा है कि जब तक लोगों को उनके राजनीतिक अधिकार नहीं दिए जाएंगे, तब तक हिंसा का यह चक्र नहीं थमेगा। गौरतलब है कि यह आंदोलन भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की विश्वसनीयता को चुनौती देने का अवसर भी देता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पी.ओ.के. के मुद्दे उठाए जा सकते हैं, जहां यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी ने पाकिस्तान की दमनकारी कार्रवाई की निंदा की और वैश्विक हस्तक्षेप की मांग की है।

भारत पी.ओ.के. में पाकिस्तानी अत्याचारों को हाइलाइट कर सकता है, जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने UNGA में पाकिस्तान को 'वैश्विक आतंकवाद का केंद्र' बताया था।हालांकि पाकिस्तान भारत को दोष दे रहा है, लेकिन वीडियो और स्थानीय बयान इसकी पोल खोल रहे हैं। भारत कूटनीतिक रूप से पी.ओ.के. के लोगों के अधिकारों का समर्थन कर सकता है, जो पाकिस्तान की 'आजाद कश्मीर' की झूठे प्रचार को कमजोर करेगा। पर तमाम ऐसे पोस्ट दिखते हैं कि पी.ओ.के. युवा पाकिस्तानी सेना के प्रॉक्सी युद्ध के खिलाफ हैं, जो भारत के आतंकवाद विरोधी नैरेटिव को मजबूत करता है।

यदि भारत UN, यूरोपीय संघ और अमेरिका जैसे सहयोगियों के साथपी.ओ.के. को मानवाधिकार मुद्दा बनाता है, तो पाकिस्तान पर GSP (यूरोपीय संघ का एक व्यापारिक कार्यक्रम है, जो विकासशील देशों को कम या शून्य शुल्क पर एव बाजारों में निर्यात की सुविधा देता है। यह मानवाधिकार, श्रम, पर्यावरण और सुशासन के मानकों के पालन पर आधारित है। पाकिस्तान को इसका लाभ मिलता है) जैसे कई अन्य संगठनों के व्यापार लाभों पर दबाव बढ़ सकता है। इससे भारत की वैश्विक छवि मजबूत होगी और कश्मीर पर पाकिस्तानी दावों को कमजोर करेगा। इसके अलावा, आंदोलन पी.ओ.के. में आतंकवादी भर्ती को प्रभावित कर सकता है। सैन्य दृष्टि से, पी.ओ.के. में अस्थिरता पाकिस्तानी सेना को कमजोर कर रही है, जो भारत के लिए LoC पर दबाव कम करने का मौका है। पाकिस्तान ने पंजाब से सैनिक भेजे, लेकिन यदि विद्रोह फैलता है, तो सेना का ध्यान आंतरिक दमन पर केंद्रित हो जाएगा। भारत सर्जिकल स्ट्राइक या ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदमों से आतंकी ठिकानों को निशाना बना सकता है, जैसा कि 2025 में पहलगाम हमले के बाद हुआ। पी.ओ.के. में संसाधनों (जल, खनिज) का शोषण बंद होने से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, जो भारत को सिन्धु जल संधि पर मजबूत स्थिति देगा।

हालांकि, यदि पाकिस्तान दमन बढ़ाता है, तो शरणार्थी भारत की ओर आ सकते हैं, जो मानवीय संकट पैदा करेगा लेकिन भारत के लिए बांग्लादेश जैसी कार्रवाई करने का मौका भी दे सकता है। भारत को अपनी सेना को सतर्क रखना चाहिए, क्योंकि LoC पर गोलीबारी बढ़ सकती है. पी.ओ.के. भारत के लिए जल संसाधनों का खजाना है। मंगला डैम जैसी परियोजनाएं पाकिस्तान को लाभ पहुंचाती हैं, लेकिन आंदोलन से ये प्रभावित हो सकती हैं। CPEC (चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर) पर असर पड़ेगा, जो भारत के लिए सामरिक लाभ है, क्योंकि यह ग्वादर बंदरगाह के माध्यम से चीन को गल्फ तक पहुंच देता है। यदि पी.ओ.के. में विद्रोह बालोचिस्तान से जुड़ता है, तो पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कमजोर होगी। भारत को मानवीय सहायता प्रदान कर पी.ओ.के. लोगों को आकर्षित करना चाहिए, लेकिन सैन्य कार्रवाई से बचना चाहिए जब तक आवश्यक न हो।

जब भारत ने सैन्य विमान निर्माण में रचा नया इतिहास

– महेन्द्र तिवारी

भारत ने रक्षा और विमानन क्षेत्र में एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जिसे आने वाले वर्षों में देश की औद्योगिक और सामरिक प्रगति के महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। गुजरात के वडोदरा स्थित टाटा और एयरबस की अंतिम संयोजन इकाई में निर्मित पहले सी-295 सैन्य परिवहन विमान ने सफलतापूर्वक अपनी पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर ली है। यह केवल एक विमान की उड़ान नहीं थी, बल्कि उस विश्वास, क्षमता और तकनीकी आत्मनिर्भरता की उड़ान थी, जिसकी कल्पना भारत लंबे समय से करता रहा है। इस उपलब्धि ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत अब केवल रक्षा उपकरणों का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता, बल्कि वह उन्नत रक्षा प्रणालियों और सैन्य विमानों के निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सी-295 कार्यक्रम भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने वाली सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में गिना जा रहा है। भारतीय वायुसेना के लिए कुल 56 सी-295 विमानों की खरीद का निर्णय लिया गया था। इस व्यवस्था के अंतर्गत 16 विमान सीधे स्पेन से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि शेष 40 विमानों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। यही वह पहल है जिसने देश में सैन्य विमान निर्माण के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत की है। इन 40 विमानों का निर्माण वडोदरा में स्थापित उत्पादन परिसर में किया जाएगा, जहां भारतीय इंजीनियर, तकनीशियन और विशेषज्ञ वैश्विक स्तर की प्रौद्योगिकी के साथ काम कर रहे हैं।

पहले भारत निर्मित सी-295 विमान की सफल परीक्षण उड़ान ने इस परियोजना की व्यवहारिक सफलता को प्रमाणित कर दिया है। यह उड़ान उत्पादन के बाद होने वाली परीक्षण प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण थी। किसी भी सैन्य विमान को सेवा में शामिल करने से पहले उसकी विभिन्न प्रणालियों, उड़ान क्षमता, नियंत्रण व्यवस्था, सुरक्षा तंत्र और प्रदर्शन का कठोर परीक्षण किया जाता है। पहली सफल उड़ान यह दशार्ती है कि विमान निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार हुआ है और आगे की परीक्षण प्रक्रियाओं के लिए सक्षम है। भारत में निर्मित पहला सी-295 विमान मई 2026 में पूरी तरह तैयार हुआ था। इसके बाद जून 2026 में उड़ान परीक्षणों का दौर प्रारंभ हुआ। इस सफल परीक्षण के बाद उम्मीद की जा रही है कि भारत में निर्मित पहला विमान इसी वर्ष भारतीय वायुसेना को सौंप दिया जाएगा। यह उपलब्धि केवल रक्षा क्षेत्र के लिए ही नहीं बल्कि भारतीय विनिर्माण क्षमता के लिए भी गर्व का विषय है। सी-295 एक मध्यम श्रेणी का सामरिक परिवहन विमान है, जिसे अनेक प्रकार के सैन्य अभियानों के लिए विकसित किया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुउद्देश्यीय उपयोगिता है। यह विमान एक बार में 71 सैनिकों या लगभग 50 पैराट्रूपरों को ले जाने में सक्षम है। इसके अलावा इसका उपयोग रसद आपूर्ति, चिकित्सा निकासी, आपदा राहत, विशेष सैन्य अभियानों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में त्वरित तैनाती जैसे कार्यों के लिए भी किया जा सकता है।

भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक परिस्थितियों वाले देश के लिए ऐसे विमान का महत्व और भी बढ़ जाता है। हिमालयी क्षेत्रों से लेकर रेगिस्तानी इलाकों तथा समुद्री सीमाओं तक, भारतीय सशस्त्र बलों को विभिन्न परिस्थितियों में त्वरित परिवहन क्षमता की आवश्यकता होती है। सी-295 को इसी उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। यह छोटी और अपेक्षाकृत कम विकसित हवाई पट्टियों से भी उड़ान भर सकता है और उतर सकता है। इसकी यह क्षमता उन क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी है जहां सामान्य बड़े विमान संचालन नहीं कर सकते।

इस विमान की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह कठिन परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकता है। यह अस्थायी अथवा अर्धविकसित रनवे पर भी संचालन करने में सक्षम है। पूर्ण अंधकार की स्थिति में भी इसकी संचालन क्षमता इसे आधुनिक सैन्य आवश्यकताओं के अनुरूप बनाती है। युद्धकालीन परिस्थितियों में ऐसी क्षमताएं अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं क्योंकि सैन्य अभियानों में अक्सर सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता है।

सी-295 कार्यक्रम केवल विमान निर्माण तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से भारत में एक व्यापक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित हो रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत हजारों पुर्जों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। अनेक भारतीय कंपनियां इस आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनी हैं। इससे देश में उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षमता का विकास हो रहा है और बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम के अंतर्गत 13000 से अधिक पुर्जों का निर्माण भारत में किया जा रहा है तथा दर्जनों भारतीय आपूर्तिकताओं को उत्पादन प्रक्रिया में शामिल किया गया है। इससे केवल एक विमान नहीं बन रहा, बल्कि एक संपूर्ण औद्योगिक आधार तैयार हो रहा है जो भविष्य में अन्य रक्षा और विमानन परियोजनाओं के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा।

इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भी है। जब किसी उन्नत विमान का निर्माण देश में किया जाता है, तो उससे जुड़े डिजाइन, निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण और परीक्षण संबंधी अनेक कौशल स्थानीय स्तर पर विकसित होते हैं। इससे भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों को अत्याधुनिक तकनीक के साथ काम करने का अवसर मिलता है। दीर्घकाल में यही अनुभव भारत को अधिक जटिल और उन्नत विमान प्रणालियों के स्वदेशी विकास में सहायता करेगा। सी-295 कार्यक्रम भारतीय वायुसेना के आधुनिकीकरण से भी जुड़ा हुआ है। वर्तमान में यह विमान पुराने एवरो परिवहन विमानों का स्थान ले रहा है, जो कई दशकों से सेवा में हैं। बदलती सैन्य आवश्यकताओं और आधुनिक युद्ध की चुनौतियों को देखते हुए अधिक सक्षम और आधुनिक परिवहन विमानों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। सी-295 इस आवश्यकता को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसकी बेहतर वहन क्षमता, आधुनिक प्रणालियां और बहुउद्देश्यीय उपयोगिता भारतीय वायुसेना की परिचालन दक्षता को बढ़ाएंगी।

वडोदरा में स्थापित उत्पादन केंद्र स्वयं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस सुविधा की स्थापना ने भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है जहां आधुनिक सैन्य परिवहन विमानों का निर्माण किया जाता है। यह केंद्र भविष्य में अन्य विमानन परियोजनाओं के लिए भी आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी प्रकार की परियोजनाएं आगे बढ़ती रहीं, तो भारत वैश्विक विमानन आपूर्ति श्रृंखला में और अधिक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल हथियारों का निर्माण नहीं है, बल्कि रणनीतिक स्वतंत्रता भी है। जब कोई देश अपनी आवश्यक सैन्य प्रणालियों का निर्माण स्वयं करता है, तो वह बाहरी निर्भरता को कम कर पाता है। संकट या युद्ध की स्थिति में विदेशी आपूर्ति पर निर्भरता कई बार जोखिम पैदा कर सकती है। ऐसे में सी-295 जैसी परियोजनाएं भारत की सामरिक स्वायत्तता को मजबूत करती हैं। इस उपलब्धि का आर्थिक महत्व भी कम नहीं है। रक्षा उत्पादन में बढ़ोतरी से निवेश, रोजगार, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलता है। स्थानीय उद्योगों को नए अवसर मिलते हैं और तकनीकी दक्षता का स्तर ऊंचा होता है। इससे देश की समग्र औद्योगिक क्षमता में वृद्धि होती है। रक्षा विनिर्माण को अक्सर उच्च तकनीकी उद्योगों के विकास का आधार माना जाता है क्योंकि इसके लिए अत्यंत सटीक और उन्नत उत्पादन प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है।

पहले भारत निर्मित सी-295 की सफल परीक्षण उड़ान इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह निजी क्षेत्र की भागीदारी का एक सशक्त उदाहरण है। लंबे समय तक रक्षा उत्पादन मुख्य रूप से सरकारी संस्थानों तक सीमित रहा, लेकिन अब निजी उद्योग भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। टाटा और एयरबस की साझेदारी यह दिखाती है कि वैश्विक अनुभव और भारतीय क्षमता का संयोजन किस प्रकार विश्वस्तरीय परिणाम दे सकता है।

आने वाले वर्षों में जब सभी 40 विमान भारत में निर्मित होकर भारतीय वायुसेना को सौंपे जाएंगे, तब इस परियोजना का वास्तविक प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देगा। इससे न केवल वायुसेना की परिवहन क्षमता मजबूत होगी, बल्कि भारत की औद्योगिक और तकनीकी शक्ति को भी नई पहचान मिलेगी। यह परियोजना भविष्य की उन महत्वाकांक्षी योजनाओं का मार्ग प्रशस्त कर सकती है जिनमें अधिक उन्नत सैन्य विमान, मानव रहित प्रणालियां और अन्य एयरोस्पेस प्लेटफॉर्म देश में विकसित और निर्मित किए जाएं। सी-295 की पहली सफल उड़ान वस्तुतः उस नए भारत का प्रतीक है जो आत्मविश्वास के साथ तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। यह उपलब्धि केवल एक विमान की सफलता नहीं, बल्कि भारतीय प्रतिभा, औद्योगिक क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टि और राष्ट्रीय संकल्प की सफलता है। आने वाले समय में जब यह विमान भारतीय आकाश में वायुसेना के रंगों के साथ उड़ान भरेगा, तब वह केवल सैनिकों और सामग्री का परिवहन नहीं करेगा, बल्कि भारत के आत्मनिर्भर भविष्य की आकांक्षाओं को भी अपने साथ लेकर चलेगा।

राजस्थान से राज्यसभा में अनुभव, सादगी और समर्पण की नई तिकड़ी

- राकेश दुबे

राजस्थान की राजनीति में राज्यसभा चुनाव प्रायः राजनीतिक गणित, रणनीति और शक्ति प्रदर्शन के लिए चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार का चुनाव एक अलग ही संदेश देकर गया। प्रदेश से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नीरज डांगी तथा भारतीय जनता पार्टी के डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका सिंह गुर्जर का निर्विरोध निर्वाचन केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व, राजनीतिक विश्वसनीयता और संगठनात्मक स्वीकार्यता की भी सार्वजनिक स्वीकृति माना जा रहा है। 11 जून को निर्वाचन अधिकारी से विजय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के साथ ही तीनों नेताओं ने राज्यसभा की नई पारी का औपचारिक आगाज किया। खास बात यह रही कि तीनों उम्मीदवारों के सामने कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था। राजनीतिक जानकार इसे उनकी व्यक्तिगत छवि, दलों के विश्वास और राजनीतिक स्वीकार्यता का प्रमाण मान रहे हैं।

नीरज डांगीः सौम्यता और संवाद की राजनीति का चेहरा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नीरज डांगी का लगातार दूसरी बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित होना उनके राजनीतिक कद और विश्वसनीयता का परिचायक है। राजस्थान की राजनीति में डांगी को एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता है, जिनकी पहचान शोर-शराबे वाली राजनीति से नहीं, बल्कि सौम्य व्यवहार, संतुलित सोच और संवाद की संस्कृति से बनी है। राज्यसभा में अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राजस्थान से जुड़े अनेक विषयों को प्रभावी ढंग से उठाया। चाहे किसानों के मुद्दे हों, युवाओं के रोजगार की चुनौतियां हों या प्रदेश के विकास से जुड़े विषय, डांगी ने अपनी बात तथ्यों और गंभीरता के साथ रखने की शैली विकसित की। यही कारण है कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन पर दोबारा विश्वास जताया। उनकी राजनीतिक यात्रा यह संदेश देती है कि राजनीति में विनम्रता, संयम और निरंतर संवाद भी उतने ही प्रभावी हथियार हो सकते हैं जितने कि आक्रामक भाषण। यही विशेषता उन्हें समकालीन राजनीति में अलग पहचान प्रदान करती है।

डॉ. सतीश पूनियाः संगठन से संसद तक का लंबा अनुभव

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. सतीश पूनिया का राज्यसभा पहुंचना अनुभव, संघर्ष और संगठनात्मक नेतृत्व की एक स्वाभाविक परिणति माना जा रहा है। छात्र राजनीति से लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और विधानसभा में विपक्ष के नेता जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुके डॉ. पूनिया लंबे समय से राजस्थान की राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने संगठन और जनसंपर्क दोनों क्षेत्रों में समान दक्षता दिखाई है। ग्रामीण राजस्थान की नब्ज को समझने वाले नेताओं में उनकी गिनती होती है। प्रशासनिक समझ, संगठनात्मक अनुभव और राजनीतिक परिपक्वता उन्हें राज्यसभा में राजस्थान की आवाज को और अधिक प्रभावी ढंग से रखने में सक्षम बनाएगी।डॉ. पूनिया का निर्विरोध निर्वाचन इस बात का भी संकेत है कि पार्टी नेतृत्व उनके अनुभव और राजनीतिक दृष्टि को राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगी मानता है। राज्यसभा में उनकी मौजूदगी राजस्थान के मुद्दों को नीति निर्माण की बहसों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

डॉ. अलका गुर्जरः समर्पण, सादगी और संगठन की शक्ति

राज्यसभा के लिए पहली बार निर्वाचित हुईं डॉ. अलका सिंह गुर्जर की राजनीतिक यात्रा संगठन के प्रति समर्पण और निरंतर सक्रियता की कहानी है। लंबे समय तक संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते हुए उन्होंने कार्यकर्ता आधारित राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया है। भाजपा संगठन में उनकी पहचान एक ऐसी नेता की रही है, जिन्होंने बिना किसी विशेष प्रचार या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के संगठन के लिए लगातार काम किया। महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सरोकारों और संगठन विस्तार के क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भूमिका को हमेशा सराहा गया है। राज्यसभा के लिए उनका चयन यह दशार्ता है कि भारतीय जनता पार्टी अपने समर्पित और मेहनती कार्यकताओं को उचित अवसर देने की परंपरा को आगे बढ़ा रही है। उनकी नियुक्ति महिला नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

लोकतंत्र का सकारात्मक संदेश

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तीनों नेताओं का निर्विरोध निर्वाचन लोकतंत्र के उस सकारात्मक पक्ष को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत विश्वसनीयता, सार्वजनिक जीवन की स्वच्छ छवि और संगठन का विश्वास निर्णायक भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार के अनुसार, राजस्थान से निर्विरोध चुने गए तीनों सांसद अपनी सादगी, स्वच्छ छवि और जनस्वीकार्यता के कारण विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच सम्मान प्राप्त करते हैं। वहीं राजस्थान की राजनीति के जानकार अरविंद चोटिया का कहना है कि तीन सीटों पर केवल तीन उम्मीदवार ही होने के कारण चुनाव निर्विरोध होना स्वाभाविक था। उन्होंने हल्के-फुल्के राजनीतिक व्यंग्य में कहा कि चौथा उम्मीदवार नहीं होने से विधायकों को मजा नहीं आया। वैसे, राजस्थान को राज्यसभा में इस बार जो प्रतिनिधित्व मिला है, उसमें अनुभव का संतुलन, सौम्यता की गरिमा और संगठनात्मक समर्पण की ऊर्जा तीनों का सुंदर संगम दिखाई देता है। नीरज डांगी की विनम्र राजनीतिक शैली, डॉ. सतीश पूनिया का व्यापक अनुभव और डॉ. अलका सिंह गुर्जर का संगठन के प्रति समर्पण आने वाले वर्षों में न केवल राज्यसभा की बहसों को समृद्ध करेगा, बल्कि राजस्थान की आवाज को राष्ट्रीय मंच पर और अधिक प्रभावी स्वर भी प्रदान करेगा।

सिद्धिविनायक कॉरिडोर से बदलेगी मंदिर परिसर की तस्वीर : आचार्य पवन त्रिपाठी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर, प्रभादेवी के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने एक पत्रकार परिषद के माध्यम से बताया कि 500 करोड रुपए की विकास योजना से मंदिर परिसर की तस्वीर पूरी तरह से बदल जाएगी। महाकाल मंदिर कॉरिडोर की डिजाइन टीम ही सिद्धिविनायक मंदिर कॉरिडोर का काम कर रही है। आचार्य त्रिपाठी ने बताया कि मंदिर के विकास के साथ सांस्कृतिक विरासत को भी सुरक्षित रखा जाएगा। पहले चरण में भव्य प्रवेश द्वारा और 120 गाड़ियों की पार्किंग बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि श्री सिद्धिविनायक मंदिर विश्व भर में रहने वाली गणेश भक्तों की आस्था का केंद्र है इसलिए इस पर कोई राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए चादर चढ़ाई गई उनकी लंबी आयु और उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की गयी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मुंबई अध्यक्ष वसीम खान जी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने मखदूम शाह बाबा की दरगाह पर चादर चढ़ाई और उनके लिए दुआ की। इस अवसर पर वसीम खान जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है ।उनका कार्यकाल सिर्फ.लंबा ही नहीं सबसे प्रभावी भी रहा जिसमें देश हित में कई निर्णायक फैसले लिये गये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हुसेन पठाण, फजलुर्रहमान अंसारी, राशिद कपाड़िया, बशीर खान,अल्ताफ खान, अफजल सिद्दीकी, इरशाद शेख,अब्दुल बारी, आदिल खान,मासुक सिद्दीकी, राशिद कुरेशी,सलमान खान, जुलियस, अमजद खान, मोहम्मद अफजल, शाहनवाज हुसेन पठाण सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वैवाहिक वेबसाइटों पर फर्जी शादी रचाकर करोड़ों की ठगी करने वाला अंतरराज्यीय ठग गिरफ्तार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। वैवाहिक वेबसाइटों और अखबारों में वैवाहिक विज्ञापन देकर विकलांग, तलाकशुदा तथा असहाय महिलाओं को प्रेम और विवाह के जाल में फंसाकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय शातिर आरोपी को अपराध प्रकटीकरण शाखा (क्राइम ब्रांच) सेल-1 ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मामले में 75 वर्षीय शिकायतकर्ता महिला ने 4 मार्च 2022 को नयानगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने स्वयं को अजय अग्रवाल बताकर एक अंग्रेजी समाचार पत्र में प्रकाशित वैवाहिक विज्ञापन के माध्यम से उनकी 45 वर्षीय बेटी से संपर्क किया और 3 जनवरी 2019 को उससे विवाह कर लिया। शादी के बाद आरोपी ने लखनऊ में फ्लैट खरीदने और दो मंजिला मकान बनाने का सपना दिखाकर पीड़िता को मीरा रोड स्थित अपना फ्लैट बेचने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उसने विभिन्न किश्तों में पीड़िता से 82 लाख रुपये नकद हासिल कर लिए। इसके बाद 22 फरवरी 2022 को आरोपी पीड़िता को रिश्तेदार की शादी में शामिल होने का बहाना बनाकर दिल्ली ले गया। वहां रेलवे स्टेशन पर उसने पीड़िता के करीब 33 तोला सोने एवं हीरे के आभूषण हड़प लिए और उसे मुंबई जाने वाली ट्रेन में बैठाकर मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गया। इस प्रकार आरोपी ने पीड़िता और उसके परिवार से कुल 97 लाख रुपये की ठगी की। शिकायत के आधार पर नयानगर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 139/2022 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और 406 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध प्रकटीकरण शाखा सेल-1 ने जांच शुरू की। जांच के दौरान सूचना मिली कि आरोपी ने अपना नाम बदल लिया है और उत्तर प्रदेश के नोएडा क्षेत्र में रह रहा है। प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ग्रेटर नोएडा पहुंची और 24 मई 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से जयप्रकाश गुप्ता नाम से बना फर्जी आधार कार्ड, तीन मोबाइल फोन तथा राधा गुप्ता के नाम का एटीएम कार्ड बरामद किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी का वास्तविक नाम अनुज कुमार चंद्रप्रकाश त्रिवेदी है, जो अजय अग्रवाल, अजय संतोष सिंह तथा जयप्रकाश रमेशचंद गुप्ता सहित कई फर्जी नामों का उपयोग कर महिलाओं को प्रेम और विवाह के नाम पर ठगता था। पुलिस ने आरोपी द्वारा धोखाधड़ी से अर्जित धन से खरीदी गई लगभग 20 लाख रुपये मूल्य की इट्ह 1 कार भी जब्त कर ली है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ अे१५३ के गजानन नगर पुलिस स्टेशन में भी इसी प्रकार का मामला दर्ज है, जिसमें उसने अजय संतोष सिंह नाम से एक महिला से विवाह कर उससे 25 लाख रुपये की ठगी की थी। पुलिस जांच में अब तक यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी ने देश के विभिन्न राज्यों में 25 से अधिक विकलांग, मानसिक रूप से कमजोर, तलाकशुदा और असहाय महिलाओं को अपना शिकार बनाकर करोड़ों रुपये की ठगी की है। मामले में आरोपी के पुत्र अविरल उर्फ प्रखर अनुजकुमार त्रिवेदी (27) को भी सह-आरोपी बनाया गया है। जांच में पाया गया कि वह अपने पिता की ठगी की गतिविधियों में सहयोग कर रहा था। इसके अलावा आरोपी ने अपनी पहली शादी की जानकारी छिपाकर दूसरी शादी की थी, जिसके चलते उसके विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 496 और 34 भी जोड़ी गई हैं। आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी महिला या परिवार को उक्त आरोपी ने वैवाहिक वेबसाइट, समाचार पत्र के विज्ञापन अथवा विवाह के बहाने इसी प्रकार ठगा है, तो वे अपराध प्रकटीकरण शाखा सेल-1 से संपर्क कर जानकारी दें। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोइफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त (प्रकटीकरण) मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में अपराध प्रकटीकरण शाखा सेल-1 की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी।

बुजुर्ग महिला को झांसा देकर सोने की चेन ठगने वाले आरोपी गिरफ्तार, बोलिंज पुलिस की बड़ी सफलता

विरार (उत्तरशक्ति)। बुजुर्ग महिला का विश्वास जीतकर उससे सोने की चेन ठगने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर बोलिंज पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल और ठगी गई सोने की सामग्री भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार, 23 मई 2026 को शाम करीब 6:15 बजे विरार पश्चिम स्थित साइंस गार्डन क्षेत्र में 65 वर्षीय गुलाबपति राममिलन कहार को दो अज्ञात व्यक्तियों ने बातचीत में उलझा लिया। आरोपियों ने एटीएम में पैसे ट्रांसफर कराने का बहाना बनाकर उनका विश्वास जीता और चालाकी से उनके गले में पहनी लगभग 20 ग्राम सोने की चेन रुमाल में बांधकर बदल दी तथा उसे लेकर फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर 24 मई 2026 को बोलिंज पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 317(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अपराध जांच टीम ने तत्काल जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों तथा आरोपी के संभावित भागने के मार्ग का विश्लेषण किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी विरार रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा दादर पहुंचा और वहां से अहमदाबाद जाने वाली ट्रेन में सवार हुआ। तकनीकी जांच और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपी रतन प्रेमभाई राठौड़ (32), निवासी सरदार नगर, अहमदाबाद, गुजरात को 5 जून 2026 को मुंबई के गोवंडी क्षेत्र से हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने अपराध में शामिल दूसरे आरोपी बलदेवजी उर्फ रमेश नागरजी ठाकोर (56), निवासी कलोल,

जिला गांधीनगर, गुजरात तक पहुंच बनाई और उसके कब्जे से ठगी गई सोने की सामग्री बरामद कर ली। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी एक अन्य समान अपराध में भी शामिल था, जो ईंल्लश्स्रि ढङ्क्री र३३ङ्गल्ल उंरी ठङ्क. 487/2026 से संबंधित है। पुलिस ने उस मामले में भी चोरी गए सोने के आभूषण बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे तथा सहायक पुलिस आयुक्त सुनील जयभाई के मार्गदर्शन में की गई। बोलिंज पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रकाश कावले के नेतृत्व में पुलिस उपनिरीक्षक किरण वंजारी, विष्णु वाघमोडे, जनार्दन माटे तथा अपराध जांच टीम के अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से इस मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया। पुलिस ने नागरिकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि वे अजनबियों की बातों में न आएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें।

सैमसंग ने द बिग बिस्पोक एआई फेस्ट की घोषणा की

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने द बिग बिस्पोक एआई फेस्ट की घोषणा की है, जो 12 जून से 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। इस दौरान कंपनी अपने बिस्पोक एआई होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो पर आकर्षक समर ऑफर्स दे रही है। चुनिंदा बिस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और अन्य घरेलू उपकरणों पर ग्राहकों को 20,000 रुपये तक का कैशबैक और एक्सटेंडेड वारंटी जैसे लाभ मिलेंगे, जिससे इस गर्मी में एआई-समर्थित स्मार्ट जीवनशैली अपनाना आसान होगा। ऑफर के तहत, चुनिंदा रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन खरीदने वाले ग्राहक सैमसंग केयर+ के माध्यम से एक वर्ष की एक्सटेंडेड वारंटी खरीदकर अतिरिक्त दो वर्ष की वारंटी निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

मुंबादेवी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु के लिए विशेष दर्शन-पूजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लगातार सबसे लंबे समय तक देश की सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का ऐतिहासिक गौरव प्राप्त करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्र के निरंतर विकास हेतु आज मुंबा देवी मंदिर में विशेष दर्शन-पूजन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा के मनपा बेस्ट समिति सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने माँ मुंबादेवी के चरणों में पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री के सफल नेतृत्व में देश की निरंतर प्रगति, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। कार्यक्रम में नगरसेवक आकाश पुरोहित, सुनील गनाचार्य, अजय सिंह, संतोष मेडेकर, रमाकांत गुप्ता तथा संजय वाकोडे सहित भाजपा के अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपस्थित सभी जनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास, सुशासन और वैश्विक प्रतिष्ठा में हुई अभूतपूर्व वृद्धि की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घ एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना की।

दो गुटों में झड़प के बाद चली गोलियां - दो लोग घायल

गोली कांड में 7 लोगो गिरफ्तार

चेतन निर्मल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। बुधवार की देर रात कल्याण पूर्व के खड़ेगोलवली इलाके में स्थित तुलसा पार्क सोसायटी परिसर में दो गुटों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गाड़ी को कट लगने की बात पर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया और फिर फायरिंग तक पहुंच गया। इस घटना में दो लोग जख्मी हुवे है जिनका इलाज जारी है ,बतादें की दो गुटों की वर्चस्व की लड़ाई काफी समय से सुरु है। विभिन्य पुलिस थानो में गुंडों के खिलाफ अपराधिक मामले भी दर्ज है, रात होते ही हर दिन शहर में लड़ाई झगड़े दोनो गुट सुरु कर देते है, अभी तक का पुलिस रिकार्ड देखा जाए तो इन दोनो गुटों के मुख्य सरगना पर अनेकों अपराधिक मामले दर्ज है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों गुटों के बीच पहले जमकर लाठी-डंडे चले। इसी दौरान एक गुट ने दूसरे गुट पर 3 से 4 राउंड फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में राहुल वर्मा नामक युवक के पैर में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। यह पूरा मामला दो गुटों के बीच पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। **दोनों गुटों पर मामला दर्ज:** इस मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस थाना ने दोनों गुटों के खिलाफ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। पहले गुट के आरोपियों में गुंडा उर्फ प्रेम सिंह, ज्ञानू उर्फ ज्ञानेश्वर राठोड़, सनी कटरे, ओमकार जगदाले उर्फ पन्नी, तनवीर अंसारी और ऋतिक महीराले के नाम शामिल हैं। इनमें से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वहीं दूसरे गुट में बूंदी उर्फ सुदर्शन निकाले, कार्तिक पावर, संजय शर्मा, पवन चव्हाण और 7 से 8 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में 7 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

काशीमीरा में मास्टर वाइन शॉप पर मनसे की कार्रवाई, सड़क पर शराब पीने वालों को खदेड़ा

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा क्षेत्र में स्थित मास्टर वाइन शॉप के बाहर सड़क पर खुलेआम शराब पीकर उत्पात मचाने वाले लोगों के खिलाफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकताओं ने कार्रवाई की। मनसे पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने वाइन शॉप के बाहर जमा होकर सड़क पर शराब पी रहे लोगों को वहां से खदेड़ दिया। मनसे कार्यकताओं का आरोप है कि वाइन शॉप के बाहर रोजाना बड़ी संख्या में लोग शराब पीते हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों, महिलाओं और विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं होने पर मनसे ने यह कदम उठाया।

इस दौरान मनसे कार्यकताओं ने वाइन शॉप प्रबंधन को भी चेतावनी दी कि दुकान के बाहर शराब पीने वालों पर नियंत्रण रखा जाए तथा सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने वालों को प्रोत्साहित न किया जाए। उन्होंने प्रशासन और पुलिस से भी इस क्षेत्र में नियमित कार्रवाई करने की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। स्थानीय नागरिकों ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन के खिलाफ की गई इस कार्रवाई का स्वागत किया तथा प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की।

आजाद समाज पार्टी ने महापौर को ज्ञापन देकर अवैध निर्माण व स्वच्छता पर कार्रवाई करने की किया मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में बढ़ते अवैध निर्माण कार्यों और बदहाल सफाई व्यवस्था के खिलाफ आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने आवाज बुलंद करते हुए महापौर नारायण चौधरी को ज्ञापन सौंपा। पार्टी के शहराध्यक्ष रहबर रशीद के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने मनपा प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस दौरान शहर युवा उपाध्यक्ष तौकिफ सिद्दीकी और रियाज शेख भी उपस्थित रहे। ज्ञापन में कहा गया है कि भिवंडी मनपा की पांचों प्रभाग समितियों में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण जारी हैं।

विशेष रूप से प्रभाग समिति क्रमांक-4 में आज भी बिना अनुमति के निर्माण कार्य चल रहे हैं, लेकिन संबंधित अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रशासन की निष्क्रियता के कारण बिल्डर कानून से ऊपर नजर आ रहे हैं। ज्ञापन में अवैध निमार्णों पर तत्काल रोक लगाने तथा ऐसे निमार्णों को संरक्षण देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की गई है। इसके अलावा पार्टी ने शहर की सफाई व्यवस्था को अत्यंत दयनीय और चिंताजनक बताते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरे के ढेर, गंदगी से भरी सड़कें और दूषित वातावरण नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इससे नगर प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास भी कमजोर हो रहा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि सफाई कार्य के लिए नियुक्त ठेकेदार कंपनी ने अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं किया है और संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण स्थिति और बिगड़ गई है। पार्टी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों तथा उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है। महापौर नारायण चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों पर विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पडघा के वाहुली स्थित जय भगवान गोदाम संकुल के पेपर गोदाम में भीषण आग लगने से नौ गोदाम जलकर खाक

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के पडघा क्षेत्र स्थित वाहुली गांव के जय भगवान गोदाम संकुल में गुरुवार शाम कागज और गत्ते के भंडारण वाले गोदाम में भीषण आग लग गई। गोदाम में बड़ी मात्रा में पेपर और कार्डबोर्ड सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में कुल नौ गोदामों में रखा लाखों रुपये का पेपर स्टॉक जलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन विभाग की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने निजी पानी के टैंकरों की मदद से आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास शुरू किए। बतादें कि गोदाम से अचानक धुएं के घने गुबार उठने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरा गोदाम परिसर धुएं से भर गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि आग से गोदामों में रखा भारी मात्रा में माल पूरी तरह नष्ट हो गया। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पडघा पुलिस ने क्षेत्र में बंदोबस्त तैनात कर दिया है। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है तथा संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एफडीए अधिकारी बनकर वसूली करने वाली महिला गिरफ्तार, भिवंडी में सक्रिय बड़े गिरोह का हुआ खुलासा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की कार्रवाईयों के बढ़ते प्रभाव का फायदा उठाकर लोगों से वसूली करने वाले एक फर्जी गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। शांतीनगर पुलिस ने खुद को एफडीए अधिकारी बताकर व्यापारियों को धमकाने और पैसे ऐंठने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके तीन साथी फरार हैं। पुलिस के अनुसार शांतीनगर स्थित सागर प्लाजा होटल क्षेत्र के एक थोक व्यापारी के यहां तीन महिलाएं और एक पुरुष पहुंचे। उन्होंने स्वयं को एफडीए अधिकारी बताते हुए आरोप लगाया कि दुकान में बासी, गंदे तथा एक्सपायरी खाद्य पदार्थों की बिक्री की जा रही है। कार्रवाई का भय दिखाकर उन्होंने दुकानदार से पैसों की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उससे पहले दो महिलाएं और एक पुरुष फरार हो गए। पुलिस ने मौके से शांताबाई दशरथ राजपूत नामक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच के दौरान पीड़ित व्यापारी समशाद खान और जावेद मोहम्मद चौधरी की शिकायत पर शांताबाई राजपूत तथा उसके तीन साथियों के खिलाफ जबरन वसूली, धोखाधड़ी और सरकारी अधिकारी बनकर धमकाने सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

शांतीनगर पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां अदालत ने उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। मामले की पुष्टि करते हुए शांतीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है और इस गिरोह के अन्य मामलों में भी संलिप्त होने की जांच की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि यह गिरोह पिछले लगभग पंद्रह दिनों से भिवंडी के होटल संचालकों और थोक व्यापारियों को निशाना बनाकर वसूली कर रहा था। मामले की गहन जांच जारी है।

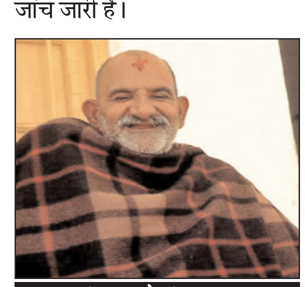

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

पत्नी, सास और साली पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर युवक ने खाया जहर, मौत

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली क्षेत्र के हनुमान घाट मोहल्ले में एक युवक द्वारा कथित रूप से जहर खाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान वासु सेठ उर्फ रमन (पुत्र महेश सेठ) निवासी हनुमान घाट के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, युवक ने मौत से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जो घटना के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में उसने अपनी पत्नी, सास और साली पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए उन्हें अपनी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया है। युवक ने वीडियो में पारिवारिक विवाद और अपनी

मानसिक पीड़ा का भी जिक्र किया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो सहित सभी तथ्यों और परिस्थितियों की गहनता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर लोगों के बीच विभिन्न तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

महत्वपूर्ण– वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच और आधिकारिक रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

स्कूटी से घर लौट रही महिला का सोने का चेन झपटा, प्राथमिकी दर्ज

ताखा पश्चिम रसूलपुर गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम, पुलिस जांच में जुटी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गोडिला बाजार स्थित दुकान से स्कूटी से घर लौट रही एक महिला के गले से ताखा पश्चिम रसूलपुर गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन झपट ली। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आजमगढ़ जनपद के पवई थाना क्षेत्र के खैरुद्दीनपुर गांव निवासी हेमलता यादव पत्नी ज्ञानेन्द्र यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसका गोडिला बाजार में अपना कपड़ों की दुकान चलाती हैं। प्रतिदिन की भांति दुकान बंद कर स्कूटी से घर लौट रही थीं। आरोप है कि ताखा पश्चिम रसूलपुर गांव के पास पीछे से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक पहुंचे। दोनों ने अपना चेहरा ढक रखा था।

पीड़िता के अनुसार बाइक सवार बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और आजमगढ़-फैजाबाद मार्ग की ओर फरार हो गए। घटना के बाद महिला ने शोर मचाया, लेकिन तब तक आरोपी नजरों से ओझल हो चुके थे। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

गड्ढे में गिरकर डूबने से हुई थी रामनरायन की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील के ग्राम पासिन निवासी स्वर्गीय रामनरायन पुत्र सियाम्बर की मृत्यु के मामले में जिला प्रशासन की जांच पूरी हो गई है। जांच रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ है कि वृद्धावस्था एवं संतुलन बिगड़ने के कारण रामनरायन गड्ढे में फिसलकर गिर गए थे, जिससे डूबने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत का कारण डूबना ही बताया गया है।

जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दैवीय आपदा मद के अंतर्गत मृतक की पत्नी श्रीमती सिरमा को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की पत्रावली स्वीकृत कर दी है। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिया है।

उपजिलाधिकारी शाहगंज द्वारा कराई गई जांच में मृतक के दामाद फूलचंद, बड़े भाई और पत्नी के बयान दर्ज किए गए। दामाद ने बताया कि रामनरायन को समय-

पत्नी को मिलेगी 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

समय पर चक्कर आने की समस्या रहती थी।

जांच में यह भी पाया गया कि मृतक के घर के निकट स्थित विद्यालय के खेल मैदान से सटी भूमि पर एक छोटा गड्ढा था, जिसमें आसपास के घरों का पानी वर्षभर जमा रहता था। घटना के दिन रामनरायन नित्यक्रिया के लिए वहां गए थे और फिसलकर गड्ढे में गिर गए।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ समाचार माध्यमों में प्रकाशित पार्क निर्माण संबंधी दावे सही नहीं पाए गए। जांच में संबंधित स्थल पर किसी प्रकार का पार्क निर्माण कार्य संचालित नहीं मिला।

रिपोर्ट के अनुसार, घटना के समय परिवार के अधिकांश सदस्य मृतक के चचेरे भाई रामदवर की तबीयत खराब होने के कारण उनके घर गए हुए थे। रामदवर लंबे समय से ब्लड कैंसर से पीड़ित थे। इसी दौरान घर पर कोई सदस्य मौजूद नहीं था और रामनरायन के साथ यह हादसा हो गया।

जांच में यह भी स्पष्ट किया गया कि मृतक के बड़े भाई की मृत्यु सदमे के कारण नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही ब्लड कैंसर की बीमारी के चलते स्वाभाविक रूप से हुई थी।

सम्राट अशोक महान के न्याय, समता और विश्व बंधुत्व के सिद्धांतों पर चलकर भारत को महान बनाना चाहते हैं अखिलेश यादवः अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सम्राट अशोक महान विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत के इतिहास में सम्राट अशोक का स्थान अद्वितीय है। उन्होंने युद्ध और हिंसा के मार्ग को त्यागकर न्याय, समता, करुणा, मानवता और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उनके शासनकाल में सभी धर्मों, जातियों और वर्गों को समान सम्मान और अवसर प्रदान किए गए, जिससे भारत विश्व में शांति और सद्भाव का प्रतीक बना।

मो. अरशद खान ने कहा कि समाजवादी विचारधारा भी सामाजिक न्याय, समान अवसर, भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए अखिलेश यादव देश और प्रदेश में न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करना चाहते हैं। उनका लक्ष्य ऐसा भारत बनाना है जहां प्रत्येक नागरिक को सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार

और न्याय प्राप्त हो तथा समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव न रहे।

उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि जितना उनके समय में था। देश को नफरत, विभाजन और वैमनस्य की राजनीति से ऊपर उठाकर प्रेम, सद्भाव, सामाजिक न्याय और विश्व बंधुत्व के मार्ग पर चलाने की आवश्यकता है। यही मार्ग भारत को पुनः विश्व में सम्मान और नेतृत्व की स्थिति तक पहुंचा सकता है।

मो. अरशद खान ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे सम्राट अशोक महान के आदर्शों को अपनाकर एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान दें जहां संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और मानवता सर्वोच्च मूल्य हों। मोहम्मद अरशद खान ने जनता से अपील किया कि 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बना कर उन्हें ताकत दें ताकि भविष्य में वो भारत के प्रधानमंत्री बनकर अशोक महान के सपनों का भारत बनाने का काम करें।

15 जून तक मिलेगा मुफ्त राशन, शासन ने बढ़ाई वितरण अवधि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत माह जून 2026 के सापेक्ष आवंटित निःशुल्क खाद्यान्न एवं अंत्योदय राशन कार्डधारकों को चीनी वितरण की अवधि को शासन द्वारा बढ़ाकर 15 जून 2026 तक कर दिया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि पहले यह वितरण 25 मई से 10 जून तक निर्धारित था, लेकिन कुछ स्थानों पर ई-पॉस मशीनों के माध्यम से वितरण प्रभावित होने के कारण अवधि विस्तार का निर्णय लिया गया है।

जिले की सभी उचित दर दुकानों पर वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत राशन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। अंत्योदय कार्डधारकों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 10 किलोग्राम गेहूं और 25 किलोग्राम चावल शामिल है, निःशुल्क वितरित किया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 1 किलोग्राम गेहूं और 4 किलोग्राम चावल शामिल हैं, उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि विकास खंड करंजाकला की चयनित ग्राम पंचायतों में मार्च 2026 के आवंटन से बचा हुआ बाजरा भी वितरित किया जाएगा। ऐसे क्षेत्रों में पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 1 किलोग्राम गेहूं, 3 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल और 1 किलोग्राम बाजरा दिया जाएगा। बाजरा समाप्त होने पर सामान्य व्यवस्था के अनुसार गेहूं और चावल का वितरण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि खाद्यान्न वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रांजेक्शन की सुविधा भी 15 जून तक उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, जिन लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण नहीं हो सकेगा, उन्हें मोबाइल ओटीपी सत्यापन के माध्यम से राशन उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे नई ई-वेइंग लिंक्ड ई-पॉस मशीनों के माध्यम से नियमानुसार खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करें तथा योजना की जानकारी दुकान पर चस्पा करें, जिससे कोई भी पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित न रह जाए।

कैशलेस चिकित्सा सुविधा से शिक्षकों को मिलेगा बड़ा संबलः सीमा द्विवेदी

शिक्षकों ने राज्यसभा सांसद को धन्यवाद पत्र सौंपकर जताया आभार

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों को 'कैशलेस चिकित्सा सुविधा' देने के निर्णय पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष व प्रांतीय संयुक्त महामंत्री अमित सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी से गोनापार में शिष्टाचार मुलाकात की। शिक्षकों ने उन्हें गुलदस्ता व धन्यवाद पत्र भेंट कर आभार जताया।

इस अवसर पर आभार स्वीकार करते हुए सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार राष्ट्र निमार्ता शिक्षकों के कल्याण और सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री जी ने 2022 के संकल्प पत्र का वादा पूरा कर यह ऐतिहासिक सौगात दी है, जिससे शिक्षकों और उनके परिवारों को आपातकालीन स्वास्थ्य परिस्थितियों में बड़ा संबल मिलेगा।

जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि योगी सरकार का यह कदम शिक्षकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी है। इसके लिए हम मुख्यमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधाकर उपाध्याय, भाजपा जिलामंत्री डॉ देवी प्रकाश सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव सिंह लोहिया, गौरव सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

देर रात्रि तक बारात में डीजे बजाना अब नहीं चलेगी मनमानी

चन्दौली (उत्तरशक्ति)। जनपद में एसपी आकाश पटेल ने मैरिज लॉन, डीजे और बैंड संचालकों की ली बड़ी बैठक हुई। जिसमें सड़क पर वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कही

गयी। साथ ही निर्देश दिए गए कि मैरिज लॉन में पर्याप्त पार्किंग और मार्शल तैनात करना होगा अनिवार्य, रात 10 बजे के बाद डीजे और लाउडस्पीकर बजाने पर होगी कानूनी कार्रवाई, लेजर लाइट पर पूरी तरह रोक हादसे की आशंका को देखते हुए दिया गया निर्देश, बारात सड़क के एक-तिहाई हिस्से से ज्यादा नहीं घेरेगी, जाम होने पर बैंड संचालक होंगे जिम्मेदार, नियम तोड़ने पर डीजे उपकरण जब्त कर डीजे मालिक पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। एसपी आकाश पटेल ने कहा सुरक्षित व्यवस्थित और शांतिपूर्ण आयोजनों के लिए सभी संचालक प्रशासन का सहयोग करें।

यूपी पंचायत चुनाव के लिए फाइनल वोटर्स लिस्ट जारी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश मे होने वाले पंचायत चुनाव के लिए मतदाताओं की फाइनल लिस्ट आज जारी कर दी गई है। ये सूची जिला स्तर पर जारी की गई है, जिसमें मतदाताओं को 9 अंकों का पहचान नंबर दिया गया है। इस सूची में 40.19 लाख मतदाता बढ़ गए हैं, जबकि 1.41 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से काट दिए गए हैं।

पंचायत चुनाव की अंतिम वोटर लिस्ट जारीः निर्वाचन आयोग द्वारा जारी ये अंतिम मतदाता सूची तमाम दावे और आपत्तियों के निस्तारण और सत्यापन के बाद जारी की गई है। इससे पहले आयोग ने 18 दिसंबर 2025 को अनंतिम मतदाता सूची जारी की थी।

जानकारी के मुताबिक अंतिम मतदाता सूची में करीब 1.81 नए

इलेक्शन से पहले 1.41 करोड़ मतदाताओं के नाम कटे

मतदाता जोड़े गए हैं, जबकि 1.41 करोड़ मतदाताओं के नाम को सूची से हटाया गया है। इस तरह से पंचायत चुनाव मतदाता सूची में करीब 40.19 लाख वोटर्स की बढ़ोतरी हुई है। अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद राज्य में पंचायत चुनाव को लेकर आगे की प्रक्रिया बढ़ सकती हैं।

वोटरों को मिला 9 अंकों का नंबरः इस बार निर्वाचन आयोग द्वारा वोटरों को नौ अंकों का वोटर पहचान नंबर दिया गया है, जिससे चुनाव प्रक्रिया और पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से की जा सकेगी। बता दें कि यूपी में फिलहाल पंचायत चुनाव टल गए हैं। पंचायतों में ओबीसी आरक्षण की स्थिति साफ नहीं होने की वजह से ग्राम प्रधानों को छह महीनों के लिए प्रशासक बना दिया गया है। वहीं इस मामले पर हाईकोर्ट में भी सुनवाई हो रही है।

वाराणसी में खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धि पर मनाया जश्न

खेलो इंडिया और खेल सुविधाओं के लिए जताया आभार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शानदार उपलब्धि के लिए

गुरुवार को खिलाड़ियों ने परमानंदपुर मिनी स्टेडियम में खूब जश्न मनाया। राष्ट्रीय खिलाड़ी सुरम्या पाठक, प्रीति पटेल, स्नेहा चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की खेलो इंडिया योजना का खिलाड़ियों को बहुत लाभ मिल रहा है। उनको वह हर सुविधा और प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिल रहा है। जिसका पहले वह सपना देखती थी। वाराणसी में डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सिगरा में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी का लाभ खिलाड़ियों को इस साल से मिलने लगेगा।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अभय कुमार दुबे और अंशु रजक का कहना है कि बीएचयू और यूपी कालेज में शुरू हुई खेलो इंडिया की योजना का लाभ खिलाड़ियों को खूब मिल रहा है। जिसके कारण उनका खेल कौशल निखर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर गांजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण अंतिम चरण में है। अगले साल से वाराणसी में भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के अलावा आईपीएल के मैच खेले जाएंगे।

खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री मोदी का विशाल पोस्टर बनाया और उसको लेकर स्टेडियम का कई बार चक्कर लगाया। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रिकॉर्ड 4400 दिनों से भारत के लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री और वाराणसी के सांसद हैं।

वाराणसी में 'टैटू गैंग' का भंडाफोड़, चोरी का माल बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मंडुआडीह पुलिस और सर्विलांस टीम ने चर्चित चोरी कांड का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से 5-6 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी बरामद हुई। खास बात ये कि दोनों आरोपियों के हाथों पर एक जैसे टैटू मिले, जिसके चलते पुलिस इस गिरोह को 'टैटू गैंग' के नाम से पहचान रही है। गिरोह के दो अन्य सदस्य अभी भी फरार चल रहे हैं। पुलिस के द्वारा 100 प्रतिशत माल बरामद कर लिया गया है और

पुलिस टीम को रु.10,000 इनाम भी दिया गया है और पता चला है के आरोपियों पर पहले से दर्ज हैं कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पत्नी की प्रताड़ना से तंग युवक ने जहर खाकर दी जान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के हनुमान घाट मोहल्ले में पारिवारिक विवाद से जुड़ा एक दर्दनाक मामला सामने आया है। मानसिक तनाव और पारिवारिक कलह से परेशान एक युवक ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले युवक द्वारा बनाया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उसने अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मृतक की पहचान वासु सेठ उर्फ रमन (26) पुत्र महेश सेठ निवासी हनुमान घाट, थाना कोतवाली, जौनपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उसकी शादी लगभग आठ वर्ष पूर्व भदोही जिले के नवघन ऊज गांव में हुई

मौत से पहले वीडियो में बयां किया दर्द

थी। उसके तीन छोटे बच्चे हैं।

परिजनों के अनुसार, युवक लंबे समय से पारिवारिक विवादों को लेकर मानसिक तनाव में था। वायरल वीडियो में वह भावुक अवस्था में अपनी पत्नी तथा ससुराल पक्ष के कुछ सदस्यों पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो की सत्यता और उसमें लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। युवक की मौत के बाद परिवार में शोक की लहर है। मासूम बच्चों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षाविद् मुक्तेश्वर को पुस्तक भेंट किए कवि बेहोश जौनपुरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कवि अरविन्द कुमार सिंह बेहोश जौनपुरी ने अपनी 'थूकना मना है' पुस्तक शिक्षाविद् एवं समाजसेवी मुक्तेश्वर नाथ मिश्र

को बृहस्पतिवार को भेंट किया। इस अवसर पर डॉ. माधवम सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर, रविन्द्र सिंह प्रधान सहायक बयालसी इण्टर कॉलेज जलालपुर, शोधार्थी शुभम सिंह असि. प्रो. हरियाणा, शोधार्थी अश्वनी तिवारी, जागृति सिंह एडीओ कृषि प्रतापगढ़ उपस्थित रहे।

आंधी तूफान से दीवाल गिरने से चार लोग दबे, दो की हालत गम्भीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर बिहरोजपुर गांव में भोर में आये तेज आंधी तूफान एक मकान की दीवार सटे हुए मकान व पतरे पर गिर गयी।जिसमे दबकर एक मासूम सहित चार लोग घायल हो गए।घायलों में दो लोगों की चोट गम्भीर बतायी जा रही है। उक्त गांव निवासी जगधारी यादव व पंधारी यादव के मकान से सटकर उनके पड़ोसी जगदीश यादव का मकान है।

भोर में आये आंधी तूफान में पंधारी व जगधारी यादव के मकान की एक दीवार जगदीश यादव के मकान तथा मकान से लगे तीन सेड पर गिर गयी। दीवार गिरने से जगदीश का तीन सेड तथा मकान की दीवार गिर गयी।जिसके नीचे सो रही जगदीश यादव की पत्नी रेखा देवी 45 वर्ष, उनकी पुत्री प्रिया 18 वर्ष,

तथा उनका 18 वर्षीय पुत्र तथा छह वर्षीय नाती दब गए। दीवार गिरने के बाद शोर शराबा होने लगा।आनन फानन में गांव के लोग मौके पर पहुंचकर सभी को मलबे से बाहर निकाला।उसके बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया। वहां पर गम्भीर रूप से घायल रेखा देवी तथा प्रिया यादव को भर्ती करके उपचार चल रहा है।बाकी दोनो को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।

धारदार हथियार से हमले में चौकीदार गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जर्रो गांव स्थित पक्का पोखरा पर हरे पेड़ काटने से मना करना एक चैकीदार को भारी पड़ गया।

आरोप है कि पेड़ काट रहे लोगों ने धारदार आरी और हथियार से हमला कर चैकीदार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। जर्रो निवासी महेंद्र प्रताप यादव, जो सरायख्वाजा थाने में चैकीदार हैं, गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे पक्का पोखरा स्थित आश्रम के पास पहुंचे। वहां कुछ साधु वेशधारी लोग भजन-कीर्तन कर रहे थे। इसी दौरान वे आसपास के बड़े-बड़े पेड़ों की कटाई भी कर रहे थे। जब महेंद्र प्रताप यादव ने पेड़ काटने का विरोध किया तो विवाद हो गया। आरोप है कि भोलानाथ, राजाराम समेत चार लोगों ने चैकीदार पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पेड़ काटने वाली आरी और धारदार हथियार से वार कर उनके दाहिने हाथ की उंगलियों तथा दाएं पैर को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चैकीदार को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करंजाकला भेजा गया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

बाढ़ आपदा से बचाव सुरक्षा हेतु राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाईज का किया गया आयोजन

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। उ०प्र० राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश में बाढ़ के प्रति संवेदनशील व अतिसंवेदनशील जनपद में बाढ़ आपदा से बचाव सुरक्षा हेतु राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाईज संचालित किया है। उत्तर प्रदेश राज्य के 41 जनपदों मे बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज किया गया। इसी क्रम में आज जनपद गाजीपुर के पांच बाढ़ प्रभावित तहसील सदर, सैदपुर, जमानिया ,मुहम्दाबाद, सेवराई, के समस्त बाढ़ प्रभावित तहसीलों में तहसीलो के उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता मे बाढ़ पूर्व तैयारी के तहत मॉकड्रिल कार्यक्रम का आयोजन पूर्वान्ह 09 बजे से आरंभ कर किया गया।

निर्धारित कार्यक्रम के तहसील सदर के तहत पोस्ता घाट पर गंगा नदी के किनारे अत्यधिक वर्षा/अतिविष्टि/बाढ़ के पानी के दबाव से मकान क्षतिग्रस्त हुआ, क्षतिग्रस्त मकान में से 10-15 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। जनपद में किसी भी मौत के बाद दाह संस्कार करने के बाद गंगा नदी में स्नान का प्रथा है, इसके तहत 1000 से अधिक लोग प्रत्येक दिन नदी में स्नान करते हैं, स्नान के दौरान लापरवाही के कारण 03 बच्चे क्रमशः एक दूसरे को बचाने में डूबने लगते हैं। रबर बोट का प्रयोग करते हुए सभी बच्चों को बचा लिया जाता है। नदी के पानी एवं क्षतिग्रस्त मकान से निकाले गए सभी व्यक्तियों को बाढ़ शरणालय में रखा गया, जहा अनुभवी चिकित्सको द्वारा चिकित्सकीय सुविधा दी गयी राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग एवं अन्य सम्बन्धित विभाग का वहां कैंप का प्रदर्शन किया गया तथा लोगो को बाढ एवं आपदा के दौरान स्वयं बचने व प्रभावित व्यक्तियों को बचाने के सम्बन्ध मे प्रशिक्षण दिया गया।

इसी क्रम मे फुलवारी घाट ग्राम फुलवारी कलां तहसील सैदपुर बाढ़ के पानी कम होने के उपरान्त डायरिया फूड प्वाइजनिंग के प्रकोप से बचाव हेतु अस्पताल को चिन्हित करते हुए पीड़ित/मरीज का उपचार किया गया। ऐसे क्षेत्र जहां स्थिति अत्यधिक गम्भीर है वहां एम्बुलेंस का प्रयोग करते हुए आम जनमानस को अस्तपाल में भर्ती कराया गया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में क्लोरिन गोली, ओ0आर0एस0 पैकेट का वितरण, ब्लीचिंग पाउडर का छिडकाव किया गया साथ ही वाट्सएप ग्रुप, लाउडस्पीकर से डायरिया के दौरान क्या करें, क्या न करे का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जानकारी प्रदान दी गयी। प्राथमिक विद्यालय सोनवल तहसील जमानियां बाढ़ के पानी से सोनवल रेलवे स्टेशन और नेशनल हाईवे-24 प्रायः डूब जाने के कारण जनमानस को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उक्त समस्या की सामाधान की व्यवस्था को प्रदर्शित करते हुए रेलवे, एन0एच0आई0, पुलिस के सामुहिक प्रयास से रोड डायवर्जन करते हुए वैकल्पिक रास्ते का परीक्षण किया गया तथा सायरन एवं लाउडस्पीकर का प्रयोग करते हुए जनमानस को अपेक्षित सहयोग हेतु प्रेरित किया गया।

गौसपुर के कोयला घाट तहसील मुहम्मदाबाद नाव दुर्घटना से लोगों को बचाकर नदी से बाहर निकाला गया, 02-04 ऐसे व्यक्ति जिनको एम्बुलेंस के माध्यम से तत्काल अस्पताल पहुँचाया गया। गंगा के जलस्तर से कटान प्रभावित क्षेत्रों में अचानक से कटान होने की सूचना प्राप्त हुइ कि गांव में पानी जा रहा है, गांव खाली कराया गया और बाढ़ शरणालय में गांव के लोगों को ठहराया गया जहां शरणालय में समस्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रही, राहत पैकेट 48 घण्टे के अन्दर एवं तीरपाल का वितरण किया गया। यहां राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग एवं सिंचाई विभाग के कैंप का प्रदर्शन किया गया।

नेहरू विद्यपीठ इण्टर कालेज रेवतीपुर तहसील सेवराई बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रह रहें जनमानस व पशुओं को निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाना एवं बाढ़ शरणालय में निवास कराया। बाढ़ शरणालय पर ही बच्चों की शिक्षा एवं खेल हेतु व्यवस्था किया गया, जिससे बच्चों का बाढ़ के दौरान भी सवार्गीण विकास हो सके। बाढ़ शरणालय जहां खाना बन रहा था, अचानक गैस सिलेण्डर में आग लग गयी, जिसको अग्निशम विभाग एवं आम जनमानस द्वारा आग बुझाये जाने का प्रदर्शन किया गया।

सैमसंग ने द बिग बिस्पोक एआई फेस्ट की घोषणा की

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने द बिग बिस्पोक एआई फेस्ट की घोषणा की है, जो 12 जून से 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। इस दौरान कंपनी अपने बिस्पोक एआई होम अप्लायंसेस पोर्टफोलियो पर आकर्षक समर ऑफर्स दे रही है। चुनिंदा बिस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और अन्य घरेलू उपकरणों पर ग्राहकों को 20,000 रुपये तक का कैशबैक और एक्सटेंडेड वारंटी जैसे लाभ मिलेंगे, जिससे इस गर्मी में एआई-समर्थित स्मार्ट जीवनशैली अपनाना आसान होगा। ऑफर के तहत, चुनिंदा रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन खरीदने वाले ग्राहक सैमसंग केयर+ के माध्यम से एक वर्ष की एक्सटेंडेड वारंटी खरीदकर अतिरिक्त दो वर्ष की वारंटी निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर पर ग्राहक केवल 99 रुपये में एक वर्ष की एक्सटेंडेड वारंटी का लाभ उठा सकते हैं। चुनिंदा टॉप-लोड वॉशिंग मशीनों के इंस्टॉलेशन के समय ग्राहकों को मुफ्त फिल्टर भी दिया जाएगा, जो मशीन को धूल और जंग से बचाकर उसकी आयु बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा, सैमसंग फाइनेंस+ के माध्यम से खरीदारी करने पर ग्राहकों को 1000 रुपये तक का कैशबैक मिलेगा। यह पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे खरीदारी का अनुभव आसान होने के साथ इसकी पहुंच भी बढ़ती है। इसके अलावा, एयर कंडीशनर खरीदने वाले ग्राहकों को 5 वर्ष की कंप्रिहेंसिव वारंटी का लाभ मिलेगा, जो उत्पाद की दीर्घकालिक विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हुए उपयोगकर्ताओं को अतिरिक्त भरोसा देता है। द बिग बिस्पोक एआई फेस्ट के ऑफर Samsung.com, प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और देशभर के चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।

होटलों के 'ग्लास ट्रैप' दरवाजे बने 'साइलेंट किलर'

वाराणसी। आधुनिकता, आकर्षक इंटीरियर और आलीशान लुक की होड़ में शहरों के होटल, रेस्टोरेंट, मॉल और कैफे बड़ी संख्या में कांच के दरवाजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन यही पारदर्शी कांच अब लोगों की जान और सुरक्षा पर भारी पड़ने लगे हैं। आए दिन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें लोग कांच के दरवाजे से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। किसी का सिर फट रहा है, किसी के हाथ-पैर में गहरी चोट लग रही है तो कई मामलों में कांच टूटने से शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर कटाव तक हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश प्रतिष्ठानों में लगाए गए कांच के दरवाजों पर न तो पर्याप्त चेतावनी संकेत होते हैं और न ही सुरक्षा मानकों का पूरा तरह पालन किया जाता है। परिणामस्वरूप ग्राहक अक्सर दरवाजे को पहचान नहीं पाते और सीधे उससे टकरा जाते हैं।

विनायक प्लाजा स्थित रेस्टोरेंट पर उठ रहे सवाल

शहर के व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित विनायक प्लाजा के पांचवें तल पर संचालित एक रेस्टोरेंट के कांच के दरवाजे को लेकर भी लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्राहकों का कहना है कि यहां लगा पूर्ण पारदर्शी कांच का दरवाजा कई बार हादसों का कारण बन चुका है। लोगों के अनुसार कई ग्राहक दरवाजे को खुला रास्ता समझकर उससे टकरा चुके हैं, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ऐसे मामलों में अक्सर वास्तविक कारणों को सार्वजनिक नहीं किया जाता और घटनाओं को अन्य वजहों से जोड़कर मामला शांत कराने का प्रयास किया जाता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन लगातार सामने आ रही शिकायतों ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

सिर्फ वाराणसी नहीं, देशभर के शहरों की समस्या

यह समस्या किसी एक होटल या एक शहर तक सीमित नहीं है। दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, जयपुर, भोपाल, पटना, इंदौर और वाराणसी जैसे अनेक शहरों में पारदर्शी कांच के दरवाजों से जुड़े हादसे सामने आ चुके हैं। कई बार बच्चे, बुजुर्ग और पहली बार आने वाले ग्राहक सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल, होटल लॉबी और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगे बिना मार्किंग वाले कांच के दरवाजे दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रहे हैं। भवन निर्माण और अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार कांच के दरवाजों पर स्पष्ट स्टिकर, रंगीन पट्टी, लोगो या चेतावनी चिह्न लगाना आवश्यक माना जाता है, ताकि दूर से ही उसकी पहचान हो सके। इसके अलावा टेम्पर्ड या सेफ्टी ग्लास का उपयोग, नियमित निरीक्षण और पर्याप्त रोशनी भी जरूरी है। दुर्भाग्य से अनेक प्रतिष्ठानों में सौंदर्य के नाम पर पूरी तरह पारदर्शी शीट लगा दी जाती है, जिससे ग्राहक भ्रमित हो जाते हैं।

प्रवक्ता परीक्षा-2025 को सकुशल एवं नकलविहीन संपन्न कराने हेतु बैठक आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रवक्ता (पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज परीक्षा-2025 को सकुशल, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि 14 जून 2026 (रविवार) को समय 9:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित होने वाली परीक्षा जनपद के 18 परीक्षा केन्द्रों पर संपन्न कराई जाएगी। इस परीक्षा में कुल 8375 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर 18 स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं 18 सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे परीक्षा से पूर्व अपने आवंटित केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा को पूर्णतः नकलविहीन, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार नगर, लोक सेवा आयोग के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ने चेन्नई संयंत्र के 25 वर्ष पूरे किए

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के स्टोरेज सॉल्यूशंस बिजनेस ने अपनी चेन्नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी (उत्पादन इकाई) के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाया। यह इकाई भारत के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और इसकी लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करने में एक अहम स्तंभ रही है। इंट्रा-लॉजिस्टिक्स (आंतरिक लॉजिस्टिक्स) में 70 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, कंपनी ने इनोवेशन, ऑटोमेशन और अगली पीढ़ी के वेयरहाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए अपनी चेन्नई और बेंगलुरु इकाइयों में लगातार निवेश करने की घोषणा की है। जैसे-जैसे ई-कॉमर्स, क्विक-कॉमर्स और मैन्युफैक्चरिंग के दम पर भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, वेयरहाउसिंग (गोदाम प्रबंधन) सप्लाई चेन को मजबूत, कुशल और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने स्टोरेज और इंट्रा-लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस में एक मजबूत नेतृत्व की स्थिति बनाई है, जो उद्योगों के लिए एक आधार की तरह काम कर रहा है और भारत के आर्थिक विस्तार व सप्लाई चेन के आधुनिकीकरण को आगे बढ़ा रहा है। समय के साथ चेन्नई संयंत्र एक प्रमुख विनिर्माण और इंजीनियरिंग केंद्र के रूप में विकसित हुआ है, जिसकी नींव परिचालन उत्कृष्टता और क्षमताओं के निरंतर विस्तार पर आधारित है। इसने जटिल और बड़े पैमाने की इंट्रालॉजिस्टिक्स परियोजनाओं को तेजी और सटीकता के साथ पूरा करने की क्षमता विकसित की है। ग्राहकों, साझेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के मजबूत नेटवर्क के सहयोग से यह आज भारत की सबसे बड़ी और उन्नत इंट्रालॉजिस्टिक्स विनिर्माण इकाइयों में शामिल है, जहां उच्च-सटीकता वाले सिस्टम तैयार किए जाते हैं जो स्वचालित और उच्च-घनत्व वाले वेयरहाउसिंग वातावरण को सक्षम बनाते हैं।

भाजपा अनुसूचित मोर्चा द्वारा कार्यक्रम आयोजित

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी दक्षिण मुंबई जिला अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गिरगांव स्थित दक्षिण मुंबई जिला कार्यालय में उत्साहपूर्ण एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान देने वाले विभिन्न महामानवों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों को नमन किया गया। उपस्थित नगरसेविका सन्माननीय स्नेहा तेंडुलकर, नवजीवन मंडळ अध्यक्ष निलेश पटेल, वॉर्ड १९९ महामंत्री सौ संजना पाटणकर, अनुसूचित जाती मोर्चा जिला महामंत्री सौ. गंगा पांड्या, मस्जिद बंदर फोर्ट मंडळ अध्यक्ष अनिकेत सोळंकी, सौ.ऋषाली झगडे, तथा सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा प्राप्त ऐतिहासिक उपलब्धियों का गौरवपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में अनुच्छेद 370 का निरस्तीकरण, श्रीराम मंदिर का निर्माण, डिजिटल इंडिया अभियान, प्रधानमंत्री जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, वंदे भारत ट्रेन, जी-20 में भारत का सफल नेतृत्व, आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा कोविड-19 काल में विश्व की सबसे बड़ी सफल टीकाकरण मुहिम जैसे अनेक ऐतिहासिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों के माध्यम से भारत ने विश्व मंच पर एक नई पहचान स्थापित की है।

वृद्धाश्रम में सेवा भाव के साथ मनाया गया माधव मिश्रा का जन्मदिन

जौनपुर। आज के समय में जहां अधिकांश लोग अपना जन्मदिन केक काटकर और भव्य आयोजनों के साथ मनाते हैं, वहीं समाजसेवी रमेशचंद मिश्रा के नाती एवं एडवोकेट अमन मिश्रा के सुपुत्र माधव मिश्रा का जन्मदिन एक प्रेरणादायक पहल के रूप में वृद्धाश्रम में सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जौनपुर स्थित वृद्धाश्रम में निवासरत देवतुल्य बुजुर्गों को भोजन कराया गया तथा उनके बीच समय बिताकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। परिवार के सदस्यों ने बुजुर्गों की सेवा कर जन्मदिन को सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं से जोड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में माधव की दादी हंसा मिश्रा, माता सुप्रिया मिश्रा, चाचा चंदन मिश्रा, मामा सत्यम निलेश मिश्रा, अंश मिश्रा सहित वृद्धाश्रम के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन एवं पत्रकार आदेश मिश्र ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी कि वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने माधव मिश्रा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसरों को सेवा और परोपकार से जोड़ना समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

अत्याधुनिक अरवर एक्सक्लूसिव सर्विस सेंटर का उद्घाटन

मुंबई। ताइवान की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनी अरवर इंडिया ने मुंबई के साकीनाका में अपना नया एक्सक्लूसिव सर्विस सेंटर शुरू किया है। ग्राहकों को तेज, सुविधाजनक और बेहतर बिक्री-पश्चात सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस केंद्र का शुभारंभ किया गया है। साकीनाका मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित इस सर्विस सेंटर में अरवर के कंज्यूमर लैपटॉप, ROG और TUF गेमिंग लैपटॉप, डेस्कटॉप, ऑल-इन-वन पीसी तथा विभिन्न एक्सेसरीज के लिए सेवा और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर अरवर इंडिया के नेशनल सर्विस मैनेजर विशाल म्हालसेकर ने कहा कि ग्राहकों को विश्वसनीय और निर्बाध सेवा प्रदान करना कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। मुंबई में नए एक्सक्लूसिव सर्विस सेंटर की शुरूआत से ग्राहकों को अधिक तेज और उच्च गुणवत्ता वाली सेवा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि बढ़ते ग्राहक आधार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कंपनी देशभर में अपने सर्विस नेटवर्क को लगातार मजबूत कर रही है। वर्तमान में अरवर के देशभर में 210 से अधिक सर्विस सेंटर कार्यरत हैं। जिनमें मुंबई और उपनगरों के 10 सर्विस सेंटर भी शामिल है।

भांजे की गर्दन काटकर निर्मम हत्या करने वाले हत्यारे मामा को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। भांजे की गर्दन काटकर निर्मम हत्या करने वाले मामा को अपर सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह के कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता अखिलेश सिंह ने बताया कि 21 अक्टूबर 2021 को गहमर में दानियाल 4 वर्ष खेल रहा था तभी उसके मामा अमजद खान किसी बात से नाराज होकर उसकी गर्दन काटकर निर्मम हत्या कर दी। इस घटना की रिपोर्ट मृतक दानियाल के चाचा अरबाज खान ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी। पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में लेकर मामले की छानबीन कर धारा 302 में कोर्ट में आरोप पत्र प्रेसित किया। इस मुकदम में आरोपी के तीन बहनो, एक भाई सहित कुल 9 गवाहों ने घटना की पुष्टि करते हुए अभियोजन कथानक का समर्थन किया। दोनों पक्षों के अधिवक्तओं की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी अमजद खान को फांसी की सजा सनायी और 50 हजार का अर्थदंड लगाया।

न्यायाधीश शक्ति सिंह ने अपने फैसले में उल्लेख किया है कि आरोपी मृतक का सगा मामा था। उसके द्वारा रिश्तो में कोई मयार्दा नहीं रखी गयी। मृतक की उम्र घटना के समय मात्र चार वर्ष की थी जो सांसारिक जीवन के भलाई-बुराई के बारे में स्वयं अबोध था ऐसे अबोध बालक की क्रूरतापूर्वक की गयी हत्या से स्वयं परिलक्षित हो रहा है कि अभियुक्त द्वारा अत्यंत ही अमानवीय तरीके से हैवानियत करते हुए क्रूरता की सारी सीमाएं लांघ कर उसकी मां के सामने बच्चे की हत्या की गयी है। ऐसे में अपराधी सामाजिक सुरक्षा के लिए खतरा है और मृत्युदंड के पात्र है।

इंदौर के पॉश बंगले के एसी में ब्लास्ट धूधू कर जली बिल्डिंग

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र के पॉश इलाके शिव शक्ति नगर स्थित एक आलीशान बंगले में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि इसकी लपटें और काले धुएं का गुबार दूर-दूर से दिखाई दिया। घटना रिवाज गार्डन के ठीक पीछे स्थित एक बंगले की है। दमकलकर्मी लगातार 8 हजार लीटर पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने में सफल हुए। जानकारी के मुताबिक शिव शक्ति नगर स्थित रितेश राजेन्द्र दुबे के बंगला नंबर 5 में करीब 12 बजे आग लगी थी। जिसपर 2 घंटे की मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। घटना में 3 लोगों के घायल होने की सूचना है। जिन्हें पास के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भीषण गर्मी के चलते बंगले में चल रहे एयर कंडीशनर (अउ) में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। शॉर्ट सर्किट के तुरंत बाद एसी में एक जोरदार ब्लास्ट (धमाका) हुआ, जिसने देखते ही देखते पूरे बंगले को अपनी चपेट में ले लिया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी सहम गए। बंगले में जैसे ही आग फैली, अंदर मौजूद परिवार और स्टाफ के बीच अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग की लपटों के कारण लोग अंदर ही फंस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग (फायर ब्रिगेड) को दी गई। सूचना मिलते ही कनाड़िया थाना पुलिस और दमकल विभाग की कई गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। फायर फाइटर्स ने जान जोखिम में डालकर बंगले में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

इंदौर के अशोक जैन ने दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से की औपचारिक मुलाकात

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित द्वारिकापुरी निवासी जैन समाज के कर्तव्य निष्ठावान समाजसेवी और समाज में एक अलग पहचान रखने वाले सुदामा नगर सेक्टर नंबर अ के गुरुकृपा अपार्टमेंट के मालिक अशोक भाई जैन ने दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के इंदौर पहुंचे पर उनका हालचाल और स्वस्थ के बारे जानकारी लेने उनके आवास इंदौर अन्नपूर्णा रोड स्थित सुदामा नगर पहुंच कर पर दैनिक उत्तर शक्ति उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से औपचारिक मुलाकात की। बता दें दिनांक 2 फरवरी 2026 को पैर और कमर में फ्रेक्चर होने के कारण तत्काल मुंगरा बादशाहपुर रुची अस्पताल में लाया गया। जहां से डॉ दीपक चौरसिया ने हालात को देखते हुए प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज के प्रीती नर्सिंग होम में दिनांक 5 फरवरी को डॉ प्रमोद कुमार सिंह (पीके सिंह) आर्थो सर्जन ने सफल आप्रेशन किया। उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे इंदौर के अशोक जैन ने प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल जाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें ईश्वर से प्रार्थना की। बता दें उसी दौरान अशोक जैन के घुटने का भी आप्रेशन हुआ था। दोनों ने मिलकर एक दुसरे का हालचाल व स्वस्थ्य होने की कामनाएं की।

बी.पी.एड. और एम.एड. में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 जून तक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (वीबीएसपीयू) ने बी.पी.एड. एवं एम.एड. पाठ्यक्रम सत्र 2026-28 में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून 2026 कर दी है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार पात्र अभ्यर्थी समर्थ (Samarth) पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 मई 2026 से शुरू हो चुकी है। ऐसे अभ्यर्थी जो वर्ष 2026 की पात्रता परीक्षा के अंतिम वर्ष या अंतिम सेमेस्टर में अध्ययनरत हैं, वे भी आवेदन करने के पात्र होंगे। प्रवेश से संबंधित नियमावली, आवेदन शुल्क, पात्रता और अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है।आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध समर्थ पोर्टल के लिंक के जरिए अपना आवेदन जमा कर सकते है।

आम तोड़ने गए दो युवकों को मधुमखियों ने काटा अस्पताल में भर्ती

खेतासराय ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बड़ऊर गांव में आम तोड़ने गए दो युवकों पर मधुमखियों ने हमला बोल दिया किसी तरह जान बचाकर भागे युवकों को बेशुध हाल में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के चकिया गांव निवासी राहुल बिन्द अपने मित्र सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बड़ऊर गांव निवासी रोहित के साथ गांव में ही आम की बाग में आम तोड़ने गए जैसे ही पेड़ पर दोनों ने आम तोड़ना शुरू किया ही था कि पेड़ पर लगे मधुमखियों ने हमला बोल दिया दोनों पूरे बाग में दौड़ते रहे उनसे बचने के लिए लेकिन पीछा नही छोड़ा जिसमे बड़ऊर निवासी युवक रोहित अचेत हो गया गांव वालों की मदद से किसी तरह दोनों को पीएचसी सोंधी में भर्ती कराया गया जहां पर उनका इलाज चल रहा है। इलाज कर रहे डाक्टर मसूद अहमद खान ने बताया कि गम्भीर हाल में युवकों को अस्पताल लाया गया जहां पर दोनों का इलाज चल रहा है स्तिथि खतरे से बाहर बताई जा रही है।

भाजपा पार्षद अनीता पाटिल को सह-आरोपी बनाकर गिरफ्तार करने की मांग

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर को झकझोर देने वाले एक नाबालिग छात्रा के कथित यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग प्रकरण ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है। शिवसेना महिला आघाड़ी ने मीरा-भाईंदर व वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक को ज्ञापन सौंपकर भाजपा पार्षद अनीता पाटिल के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शिवसेना महिला आघाड़ी का आरोप है कि पीड़िता जब पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी, तब स्कूल के एक कर्मचारी दयाराम चव्हाण ने उसके साथ कथित रूप से यौन शोषण किया और उसके अश्लील वीडियो व फोटो बनाकर वर्षों तक ब्लैकमेल किया। संगठन का दावा है कि जब पीड़िता ने बाद में इस संबंध में मदद मांगी, तब उसे न्याय दिलाने के बजाय मामले को दबाने का प्रयास किया गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि मुख्य आरोपी की मृत्यु के बाद उसका भाई राजेश चव्हाण कथित रूप से वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। शिवसेना महिला आघाड़ी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा पार्षद अनीता पाटिल ने पीड़िता की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया तथा आरोपी पक्ष का समर्थन किया।शिवसेना की प्रमुख मांगें। शिवसेना महिला आघाड़ी ने पुलिस प्रशासन से मांग की है किः अनीता पाटिल के खिलाफ अपराध की जानकारी छिपाने और आरोपी को संरक्षण देने के आरोपों की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। राजेश चव्हाण के खिलाफ कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाए। पीड़िता और उसके परिवार को पर्याप्त पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। पीड़िता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाए। साइबर सेल के माध्यम से कथित आपत्तिजनक सामग्री को इंटरनेट से हटाने की कार्रवाई की जाए। पीड़िता के समर्थन में आगे आए प्रताप सरनाईक शिवसेना नेताओं के अनुसार, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पीड़िता की शिक्षा, पुनर्वास और भविष्य के लिए हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। संगठन ने इसे पीड़िता के प्रति सामाजिक और मानवीय समर्थन का महत्वपूर्ण कदम बताया है।

गोमती नदी पर बने 29.93 करोड़ के सेतु का राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कलीचाबाद से प्यारेपुर तक गोमती नदी पर नवनिर्मित सेतु का स्थलीय निरीक्षण किया। लगभग 29.93 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस पुल के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और प्रगति का जायजा लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री ने कहा कि इस सेतु के शुरू होने से शहर में लगने वाले जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही प्यारेपुर, हल्दीपुर, चंबलतारा, डेरा युसूफ समेत सैकड़ों गांवों के लोगों को पॉलिटेक्निक, नईगंज, अलीगंज, मदारपुर, बदलापुर, सुल्तानपुर और लखनऊ जैसे प्रमुख स्थानों तक पहुंचने के लिए अब शहर के भीतर से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। इससे आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध होगा।

उन्होंने बताया कि पुल के साथ दोनों ओर अप्रोच मार्ग का भी निर्माण कराया गया है। एक ओर 600 मीटर तथा दूसरी ओर 800 मीटर लंबी सड़क बनाई गई है, जिससे यातायात व्यवस्था और बेहतर होगी।इस अवसर पर सेतु निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर जे.पी. गुप्ता, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ब्रह्मदेव मिश्र, मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, जिला कार्यालय मंत्री दीपक सिंह 'मांटो', विनय सिंह सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अधिकारियों ने पुल निर्माण से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी दी।

भाई को बचाने पहुंचीं बहनें और मां भी बनीं हमले का शिकार, पुरानी रंजिश में चार घायल

-प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के डिगिया गांव में गुरुवार दोपहर पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने एक युवक को कमरे में बंद कर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। जब युवक की बहनों और मां को इसकी जानकारी मिली तो वे उसे बचाने पहुंचीं, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया।

पीड़ित पक्ष के अनुसार रुद्र नामक युवक को कमरे में बंद कर मारपीट की जा रही थी। सूचना मिलने पर उसकी बहनें पूजा (25 वर्ष), सरोजा (17 वर्ष) और मां मीना कुमारी (50 वर्ष) मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि वहां मौजूद लोगों ने टांगरी और डंडों से हमला कर दिया, जिससे चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। मीना कुमारी का आरोप है कि घायल बेटे रुद्र को इलाज के लिए अस्पताल भेजने के बजाय थाने में बैठाया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि थाने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई। वहीं पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार सभी पक्षों की शिकायतों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थिति पर नजर रखे हुए है।

एका डेंटल केयर की खास पहल,सभी सेंटरों पर फ्री डेंटल चेकअप और डिजिटल एक्स-रे की सुविधा

मुंबई। देश की भरोसेमंद डेंटल केयर चेन एका डेंटल केयर ने अपने सभी सेंटर पर मरीजों के लिए फ्री डेंटल चेकअप और डिजिटल एक्स-रे की सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। गर्मी की छुट्टियों के बाद बच्चे और युवा फिर से स्कूल और कॉलेज लौटने की तैयारी में जुटे हैं। ऐसे में एका डेंटल केयर लोगों को यह याद दिलाना चाहता है कि स्कूल या कॉलेज की तैयारियों के साथ-साथ ओरल हेल्थ पर ध्यान देना भी उतना ही जरूरी है। चाहे कोई बच्चा नए अकैडमिक सेशन की शुरूआत कर रहा हो या कोई कॉलेज छात्र कैंपस लौट रहा हो, एक डेंटल चेकअप और एक्स-रे समय रहते उन समस्याओं का पता लगा सकता है, जो बाद में बड़ी परेशानी का रूप ले सकती हैं। यह पहल एका डेंटल केयर की उस सोच का हिस्सा है, जिसके तहत बेहतरीन क्लिनिकल केयर और किफायती कीमतों को साथ लेकर चला जाता है। ऐसे समय में जब अच्छी डेंटल ट्रीटमेंट को अक्सर महंगा माना जाता है, एका डेंटल केयर का मानना है कि वर्ल्ड-क्लास ओरल हेल्थकेयर हर व्यक्ति की पहुंच में होना चाहिए, न कि केवल कुछ लोगों तक सीमित। संस्था के सभी सेंटरों पर अनुभवी डेंटिस्ट्स द्वारा आधुनिक उपकरणों और तकनीक की मदद से इलाज उपलब्ध कराया जाता है। प्रिवेंटिव स्क्रीनिंग्स से लेकर एडवांस्ड ट्रीटमेंट्स तक, मरीजों को ऐसी सेवाएं मिलती हैं जिनमें क्वालिटी से कोई समझौता नहीं किया जाता और कीमतें भी आम परिवारों की पहुंच में रखी जाती हैं। एका डेंटल केयर के को-फाउंडर एवं सीईओ सचिन कटिरा ने कहा, एका डेंटल केयर में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे अच्छी डेंटल केयर वही है, जो सबसे ज्यादा लोगों तक पहुंच सके। हम अपने मरीजों को प्रीमियम क्लीनिक्स जैसी क्वालिटी वाले ट्रीटमेंट्स ऐसी कीमतों पर उपलब्ध कराते हैं, जिन्हें हर परिवार आसानी से अफोर्ड कर सके। यह पहल उसी प्रतिबद्धता का विस्तार है। हम चाहते हैं कि हर छात्र, हर अभिभावक और हर व्यक्ति हमारे सेंटर पर आए, अपना डेंटल चेकअप कराए और बिना किसी खर्च के यह जान सके कि उसका ओरल हेल्थ कैसा है।